2 गज दूरी
मास्क जरूरी

KPT
KUMAWAT
PRAGATI TRUST

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
website: www.kumawatindiapatrika.com

वर्ष-4 | अंक-9 अप्रैल-2021 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31/ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
सचिव	:	विनोद बालोदिया	मो. 9829059312
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		हेमचन्द खड़गटा	मो. 9351682036
		मनोज सिरस्वा	मो. 9414043127
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
		जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, श्रीमती भारती वर्मा सह-सम्पादक 9414810584, राजेन्द्र जूनवाल 9828139099, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, रोहित कुमावत (मोरवाल) 9887097092, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496 , चेतन बालोदिया 9414052736 एवं श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, खेमचंद खड़गटा 9829140629

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक हेमचन्द कुमावत (खड़गटा) द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं 2806, खड़गटा भवन, गणेश जी मंदिर के पास, मोती डूंगरी, जयपुर से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

संघे शक्ति कलौयुगे

ऋग्वेद के इस श्लोक के व्याख्या इस प्रकार है कि सतयुग में ज्ञान की शक्ति थी, त्रेता युग में मंत्र शक्ति बना, द्वापर युग में युद्ध शक्ति का प्रतीक बना तथा आज कलयुग में संघे शक्ति कलौयुगे यानी संगठन में शक्ति है, जिसे विश्व भी स्वीकार रहा है।

जब पेड़ से टूटकर सेव को नीचे धरती पर गिरते देखा, तो न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। सेव को गिरते तो सभी ने देखा था किंतु घटनाओं को देखने पर विशिष्ट चेतना संपन्न पुरुष उसके कारणों के खोज में लग जाते हैं। इसी प्रकार इतिहास से सीख लेकर जो लोग देश और समाज की जीवन यात्रा में भविष्य की संभावित चुनौतियों के लिए स्थाई समाधान खोजते हैं, वही समाज के सच्चे नेता, कार्यकर्ता और सेवक कहलाते हैं। स्वामी विवेकानंद ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संगठन सफलता का आधार है। प्राचीन संस्कृति सूक्तियां भी हमें संगठन के बारे में बताती है कि **यत्र सर्वे सुखासीना वावदूका: प्रमादिन:। दीना दुर्व्यसनाधीना संघोसौ सम्प्रणश्यति।।**

अर्थात जहां सभी सुख से बैठने वाले हो, ज्यादा बोलने वाले हो,प्रमादी हो,दीन हो,दुर्व्यसनों में आसक्त हो, वह संगठन नष्ट हो जाता है। वाणी से ही मित्रता होती है और वाणी से ही शत्रुता होती है, यह ध्यान में रखकर संगठन चाहने वाला व्यक्ति सदा वाणी के संयम वाला हो।

यदि हम कुमावत समाज का इतिहास देखें तो सर्वप्रथम अखिल भारतीय वर्षीय कुमावत क्षत्रिय महासभा की स्थापना 15 मई 1946 में पुष्कर में हुई थी इसके सदस्य संपूर्ण भारतवर्ष में बने। सेठ श्री मांगीलाल जी, श्री मालीराम वर्मा FCA, श्री पटवा जी उदयपुर, श्री ब्रजराज आर्य, श्री सेडू राम मामोडिया, श्री नारायण लाल सिरोहिया, श्री नवरत्न जी वर्मा खोरानियां आदि इस महासभा की कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर रहे। इसी प्रकार 10 अगस्त 1965 में श्री कुमावत क्षत्रिय जयपुर सभा का रजिस्ट्रेशन हुआ जिसके अध्यक्ष रामपाल जी अजमेरा बने इसका कार्यालय व गतिविधियों का केंद्र बाल निवास जयपुर रहा। इस जयपुर सभा के चुनाव कई बार हुए।

भारतीय कुमावत महासभा का जन्म 27 दिसंबर 1976 में बाल निवास जयपुर में हुआ। इसके संस्थापक श्री नवरत्न जी वर्मा RAS तथा श्री सुरेन्द्र जी नागा थे । श्री नवरत्न जी वर्मा तत्कालीन समय में अखिल भारतवर्षीय कुमावत क्षत्रिय महासभा में सक्रिय कार्यकर्ता रहे। हमारे समाज में संगठन बनते रहे और उनके टुकडे होते रहे। 1966 से कार्यरत श्री कुमावत क्षत्रिय विकास संघ जयपुर (रजिस्टर्ड) ने करीब 42 वर्षों तक समाज में कई गतिविधियां संचालित की और वर्षों तक वार्षिक स्मारिका प्रकाशित करती रही।

वर्तमान में समाज की विभिन्न सामूहिक वैवाहिक समितियां, सामाजिक ट्रस्ट आदि समाज में अपने-अपने स्तर पर समाज सेवा कर रहे हैं।

यदि हम पुरानी संस्थाओं के बारे में विचार करें तो पाएंगे कि कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा आपस में टांग खिंचाई अथवा कार्यकर्ताओं को नजरंदाज करने के कारण या तो वे विभक्त हो गई हैं अथवा निष्क्रीय/बन्द हो गई। कुछ संस्थाएं किसी व्यक्ति विशेष के एकाधिकार होने के कारण चुनाव नहीं करवा रही है अथवा संगठन की दूसरी उत्तराधिकारी टीम तैयार नहीं कर रही है। जबकि संगठन के प्रधान अथवा कार्यकारिणी को व्यक्तिवादी से सामाजिक वादी बनकर लोकहित के काम करते रहना चाहिए। सार्थकता तभी होगी जब व्यक्ति और समाज दोनों का विकास समान रूप से हो क्योंकि यदि विकास घर से शुरू होगा तभी समाज बदलाव की ओर अग्रसर होगा। समाज में व्याप्त बुराइयों व कमियों को दूर कर स्वच्छ समाज के निर्माण में संगठन की कार्यकारिणी को अपना दायित्व निभा कर समाज को आगे बढ़ाने में अपना संपूर्ण योगदान देना चाहिए ताकि शैक्षिक उन्नयन के साथ हमारा समाज भी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक रूप से सुदृढ़ हो।

भारतीय नववर्ष 2078 एवं कुमावत समाज के जातीय दिवस रामनवमी पर सभी को कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

-राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.com पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

यहां पर यह देखें

सम्पादकीय	3
संरक्षक : श्री खेमचन्द खड़गटा	4
विज्ञापन : बधाई	4
बाबूलाल मारोठिया राजस्थान हस्तशिल्प रत्न अवार्ड से सम्मानित	5
डॉ. आर.के. कुमावत फॉरेंसिंक एवं डी.एन.ए., विशेषज्ञ	5
सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का चतुर्थ स्थापना दिवस मनाया गया	6
खेमचंद खड़गटा व्यवस्थापक मण्डल सदस्य मनोनीत	6
बरकत नगर जयपुर में शीतल जल मंदिर का शुभारम्भ	7
कुमावत युवा शक्ति समिति चम्मालिसा के राकेश कुमावत अध्यक्ष बने	7
राजस्व रिकॉर्ड में कुमावत प्रजापति लिखने पर विधायक को सौंपा ज्ञापन	7
एकल/द्वि-पुत्री योग्यता पुरस्कार योजना (राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड)	7
KPL-4 क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न- मिला भामाशाओं का सहयोग	8
किसान भंवर लाल कुमावत का जिलास्तरीय कृषक पुरस्कार, जैविक खेती के लिए किया चयन	8
मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना	8
ग्रीष्म ऋतु की बीमारियां	9
अर्ज सुणो हे अविनाशी	9
डॉ. हरिवंशराय बच्चन की यह कविता	9
कुमावत जन्मजात अभियंता	10
एक निर्भीक पत्रिका	10
रामनवमी पर विशेष	11
विवाह एवं ज्योतिष-एक विश्लेषण	12
किसी की मानहानि करना कानूनी अपराध	13
यथा राजा- तथा प्रजा	14
राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता	15
बरखा व प्रज्ञा को पदक	15
हनी कुमावत ने तीरंदाजी में ब्रॉन्ज मैडल जीता	15
अनुराधा कुमावत ने जूनियर राष्ट्रीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 4 गोल्ड मैडल जीते	15
जयश्री व युक्तिका ने गोल्ड मैडल जीता	15
सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने का अनुकरणीय उदाहरण	16
दहेज नहीं लेकर व्याख्याता बेटे की शादी की	16
महेन्द्र कुमावत ने राजकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया सुधारीकरण समिति के अध्यक्ष नियुक्त	16
ओमप्रकाश जी कण्डरेवाल वाचस्पति सम्मानित	16
टीम चेतन धुंधारिया ने मनाया स्थापना दिवस, सदस्यों का किया सम्मान	17
टीम चेतन धुंधारिया ने दिल्ली में सांसद दिनेश भाई अनावड़िया के सम्मान समारोह में शिरकत की	17
विवाह के बारे में श्रीमती राजबाला बरथल्या के विचार	18
घोड़ी पर बैठाकर बेटी की निकाली बिंदोरी	18
नवसंत्सर पर रंगोली व दीप प्रज्ज्वलन प्रतियोगिता	18
सावों की धूम और कोरोना	19
अध्ययन-हास्य-अध्यापन	20
छात्रावास भूमि मदनगंज किशनगढ़ में अलॉट हुई पर... ?	21
मोबाइल का हमारे जीवन पर प्रभाव	22
पुनः पैर पसारता कॉरोना	23
कुमावत इंडिया पत्रिका में प्रकाशित अपील का असर	23
विशिष्ठ संरक्षक	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिकानहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
वाट्सएप ग्रुप द्वाराअनूठी शुरुआत	27
विज्ञापन : बधाई ए	27
सुनील कुमावत का नेशनल लेवल पर हुआ चयन	28
अखंड कुमावत क्षत्राणी समूह का फागोत्सव	28
विज्ञापन : बधाई	28
श्रद्धांजलि	29
विज्ञापन : बधाई	30

संरक्षक

श्री खेमचन्द कुमावत (खड़गटा)

निवासी- 1299 साउथ, विनय पथ, बरकत नगर, जयपुर।
मो. 9829140629, 6378593224

श्री खेमचन्द खड़गटा पुत्र स्व. श्री गोविन्द नारायण वर्मा (कम्पाउण्डर) सार्वजनिक निर्माण विभाग में अनुरेखक के पद पर 36 वर्ष निष्ठा, मेहनत एवं ईमानदारी से कार्य करते हुए वर्ष 2018 में सेवानिवृत्त हुए। आप फोटोग्राफी के कार्य में निपुण है तथा वर्तमान में टीम चेतन धुंधारिया के सक्रिय सदस्य हैं।

आपकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता कुमावत सुपुत्री स्व. श्री जगदीश नारायण कारगवाल गृहणी है। आपके तीन पुत्रियाँ खुशबू, रूचिका व महक है।

आप समय-समय पर समाज हित में सहयोग प्रदान करते रहे हैं। वैश्विक महामारी कोविड-19 में आप द्वारा टीम चेतन धुंधारिया के साथ अपनी जान की परवाह न करते हुए काबिले तारीफ सेवायें दी हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके और आपके परिवार के उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

बाबू लाल मारोठिया को 'राजस्थान हस्तशिल्प रत्न' अवार्ड से सम्मानित

पारंपरिक चित्रकला के सिद्धहस्त कलाकार जयपुर निवासी श्री बाबूलाल मारोठिया को राजस्थान सरकार ने 30 मार्च, 2021 को **'राजस्थान हस्तशिल्प रत्न'** अवार्ड से नवाजे जाने की घोषणा की है। उन्हें सम्मान स्वरूप एक लाख रूपए नकद एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इस पुरस्कार की घोषणा आर्टिजन्स को बढ़ावा देने के लिए की जाती है तथा इसके लिए भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय से राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त आर्टिजन्स ही पात्र होता है। इन्हें भारत सरकार ने **'शिल्प गुरु'** अवार्ड से सम्मानित किया था।

आप राजस्थान में 4 दशकों से कला साधना कर रहे है। आपके पिता नाथूलाल मारोठिया एक उम्दा कलाकार थे, जो अपने खाली समय पेंटिंग किया करते थे। उनसे प्रभावित होकर आपने 10 वर्ष की उम्र में ही कैनवास पर ब्रुश व रंगों से अपना जादू दिखाना शुरू किया। आपने अपने पिता तथा स्वर्गीय पद्मश्री स्व. कृपाल सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में काम किया। छोटी उम्र में ही नवलगढ़ हाउस पेंटिंग कम्युनिटी का हिस्सा बन गए थे। मिनिएचर पेंटिंग उनकी खासियत थी, पर काम करना शुरू किया। नवलगढ़ हाउस पेंटिंग कम्युनिटी बंद हो गई और उनके समक्ष रोजी-रोटी का सवाल खड़ा हो गया तो उन्होंने पेंटिंग छोड़कर चाय तथा कोयले का व्यवसाय भी किया। चूंकि कलाकार का मन कला के गलियारों में भटकता है इसलिए वर्ष 1990 में उन्होंने एक बार फिर रंग और ब्रुश को थामा और अपने भीतर सो चुके कलाकार को चेतना दी। इन्हे वर्ष 1998 में जयपुर के सिटी पैलेस के गुणीजन खाने से जुड़ने का अवसर मिला यह सिलसिला अनवरत चलता रहा। देश-विदेश में उनकी कला की कद्र होने लगी।

अपनी जिजिविशा के दम पर बन गए पारंपरिक कला के सिरमौर कलाकार श्री बाबूलाल मारोटिया को इससे पहले यूनेस्को के प्रतिष्ठित **'सील ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड'** और राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। इनके भीतर कला के संस्कार समाए हैं और नित नया करना उनकी फितरत रही है, यही वजह है कि उन्होंने पारंपरिक चित्रकला के रूपाकारों को आकार में बड़ा करके सहज ही देखने योग्य बनाया है।

शेष पृष्ठ 23 पर ...

डॉ. आर.के. कुमावत फॉरेंसिक एवं डी.एन.ए. विशेषज्ञ

डॉ. आर.के. कुमावत पुत्र श्री हरलाल कुमावत गौत्र कांकर, भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा तहसील अन्तर्गत ग्राम टोपां में किसान परिवार में जन्में। अपने अथक परिश्रम से आज फोरेंसिक साईंस विभाग में **वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी** के पद पर कार्यरत हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही इनका चयन फोरेंसिक साईंस विभाग में लैब एसिस्टेंट के पद पर हुआ था परन्तु अपनी मेहनत के बल पर आज ये इस उच्च पद पर कार्यरत हैं। इन्होंने अपनी आगे की शिक्षा नौकरी में रहते हुए पूरी की। शिक्षा में इन्होंने विज्ञान संकाय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। इन्होंने **डी.एन.ए. मार्कर के पॉलिमार्फिज्म टॉपिक पर पी.एच.डी.** की डिग्री प्राप्त की जो राजस्थान में इस प्रकार की प्रथम रिसर्च डिग्री है। साथ ही वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET), जीव विज्ञान विषय में तथा UGC पात्रता परीक्षा, फोरेंसिंक साईंस विषय में उत्तीर्ण की है। इसके अतिरिक्त इन्होंने कम्प्यूटर एवं फोरेंसिक साईंस में भी डिप्लोमा किया। आपके अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शोध पत्रिकाओं में 50 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की फोरेंसिक डी.एन.ए. से सम्बन्धित पुस्तकों में कई अध्याय इनके द्वारा लिखे गये हैं।

वर्ष 2006 से फोरेंसिंक साईन्स में इनके द्वारा भारतीय न्याय तंत्र के लिए विशेष योगदान दिया जा रहा है। हत्या, दुष्कर्म, अपहरण तथा पहचान से संबंधित जघन्य अपराधों में इनके द्वारा डी.एन.ए. परीक्षण कार्य से वैज्ञानिक साक्ष्य माननीय न्यायालयों में प्रेषित किए जा रहे हैं। जिससे कई अपराधियों को फांसी की सजा, आजीवन कारावास जैसे कठोरतम दण्ड से दण्डित किया जा रहा है।

लगभग 1500 प्रकरणों में इनके द्वारा जांच रिपोर्ट पेश की जा चुकी है। हाल ही में इनके द्वारा एक 5 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के मामले में इनके द्वारा दी गई डी.एन.ए. रिपोर्ट से अपराधी को फांसी की सजा हुई। इनके इस कार्य को सराहनीय मानते हुए जिला पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं द्वारा इनको प्रशस्ति पत्र दिया गया। इससे पूर्व भी कई बार इनको उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र दिये जा चुके हैं। आपको **युवा वैज्ञानिक पुरस्कार** से भी सम्मानित किया जा चुका है।

आप समाज के रत्न हैं। आपके द्वारा किये गये कार्य समाज के युवा वर्ग के लिए प्रेरणादायक है। आपको कार्यों से कुमावत समाज गौरवान्वित हुआ है। **कुमावत इंडिया** पत्रिका की ओर से आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का चतुर्थ स्थापना दिवस मनाया गया

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का चतुर्थ स्थापना दिवस 4 अप्रेल, 2021 को बाल निवास, कल्याणजी का रास्ता, जयपुर में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जितेन्द्र सिंह शेखावत वरिष्ठ पत्रकार (राजस्थान पत्रिका), विशिष्ठ अतिथि श्री श्यामलाल धुंधारिया, कान्ट्रेक्टर एवं बिल्डर श्री भींवाराम-श्री पन्नालाल तथा श्री विमल कुमावत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर बम्बोरिया द्वारा की गयी।

सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलन श्री जितेन्द्र सिंह शेखावत, श्री भींवाराम-श्री पन्नालाल आदि द्वारा किया गया। श्री बालजी घोड़ेला की मूर्ति को माल्यार्पण श्री सुरेन्द्र नागा वरिष्ठ समाजसेवी व संयोजक उच्चाधिकार समिति एवं सभी अतिथियों द्वारा किया गया। अतिथियों

का साफा बंधवाकर, माल्यार्पण करके एवं सम्मान-पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर अनेक सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

श्री रामेश्वर बम्बोरिया द्वारा स्वागत भाषण एवं संस्था का परिचय दिया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रीमती रश्मि बालोदिया, पूनम कुद्दीवाल एवं राजेन्द्र राजोरा, पृथ्वीराज कैक्ट्या, सिमरन कुमावत द्वारा गायन प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती पूनम कुद्दीवाल महिला अध्यक्षा, श्रीमती सोनिया डाल कार्यवाहक अध्यक्ष, रूपसिंह कुमावत, लोकेश सिंगाटिया, गोपाल खोवाल, मनोहर नरानिया, सरोज बड़ीवाल भी उपस्थित थी।

श्री मनीष सोनी (तालकटोरा विकास समिति), सामाजिक कार्यकर्ता रमेश सिंह भाटी और आनन्दी लाल एवं पूजा शेखावत (NCC अधिकारी एवं हैरिटेज चैनल की संस्थापक) का भी इस अवसर पर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि श्री जितेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि कुमावत कारीगरों द्वारा ही जयपुर सहित समस्त राजस्थान के किले, महल मंदिर, आलीशान इमारतें बनायी गयीं थीं जिनमें रत्तीभर भी कमी नहीं है। कारीगर यदि कुमावत हैं तो लोग यह मानते थे कि अब इंजीनियर भी फेल हैं। आगरा के ताजमहल, दिल्ली का संसद भवन, दिल्ली का रेल भवन जैसी इमारतों के निर्माता भी कुमावत कारीगर ही थे। इन सभी इमारतों को कुमावतों ने दिल से बनाया तथा इनमें उनकी आत्मा बसती है। ऐसी कुमावतों की पहचान है।

श्री रामेश्वर बम्बोरिया ने समाज को एकजुट करने तथा महिलाओं की शिक्षा पर अधिक ध्यान देने को कहा। कार्यक्रम में श्री ओमप्रकाश 'विद्यावाचस्पति', स्व. श्री चतुर्भुज कुमावत, श्री श्याम लाल जी धुंधारिया कोरोना वारियर, श्री भींवाराम, श्री पन्नालाल तथा श्री जितेन्द्र सिंह शेखावत वरिष्ठ पत्रकार (हेरिटेज विन्डो, राजस्थान पत्रिका) को भी सम्मान पत्र से नवाजा गया।

अन्त में श्री रूप सिंह कुमावत (कारगवाल) के धन्यवाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

खेमचन्द खड़गटा व्यवस्थापक मंडल सदस्य मनोनीत

श्री खेमचन्द खड़गटा पुत्र स्व. श्री गोविन्द नारायण वर्मा (कम्पाउण्डर) को कुमावत इंडिया पत्रिका के व्यवस्थापक मंडल में सदस्य मनोनीत किया गया है। आप बरकत नगर, जयपुर में निवासी हैं। आप पीडब्ल्यूडी से अनुरेखक के पद पर 36 वर्ष सेवा करके वर्ष 2018 में सेवानिवृत्त हुए हैं।

सामाजिक कार्यों में आप सदैव अग्रणी रहते हैं। फोटोग्राफी क्षेत्र में आपका नाम जाना पहचाना है, आप मृदु स्वभाव के हैं। आपके कुमावत इंडिया पत्रिका से जुड़ने पर पत्रिका एवं समाज को निश्चित रूप से लाभ होगा।

बरकत नगर जयपुर में शीतल जल मंदिर का शुभारम्भ

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर टोंक फाटक क्षेत्र जयपुर के द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गर्मी के चार माह के लिए धर्मार्थ प्याऊ किसान मार्ग, टोंक रोड, जयपुर पर लगाई गई है। समिति अध्यक्ष श्री बाबूलाल ब्याड़वाल व स्थानीय पार्षद श्री राजेश कुमावत ने जनता को शीतल जल पिलाकर प्याऊ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर समिति मंत्री श्री राम प्रकाश मारवाल, उपमंत्री ओम प्रकाश नेहरा, कोषाध्यक्ष बद्रीलाल जूनवाल, संगठन मंत्री देवीनारायण बबेरीवाल, प्रचारमंत्री ईश्वरलाल लोठया, सदस्य योगेश जूनवाल, शेखर देवतवाल एवं सम्मानीय समाजबन्धुगण रमेश कुंडवाल, मिश्रीलाल बालोदिया, सत्यनारायण बावला, प्रहलाद दास सोकल, बाबूलाल खोरानिया, चौथमल देवतवाल, सुनील जलान्धरा, घनश्याम बालोदिया, हीरालाल गैदर, बोदीलाल गुडीवाल उपस्थित थे। इस जल मंदिर में पानी की व्यवस्था श्री बाबूलाल ब्याड़वाल अध्यक्ष द्वारा विशेष रुचि लेकर की जाती है।

-राम प्रकाश मारवाल, मंत्री

कुमावत युवा शक्ति समिति चम्मालिसा के राकेश कुमावत अध्यक्ष बने

कुमावत युवा शक्ति चम्मालिसा का आमसभा का आयोजन तीर्थ नगरी पुष्कर में हुआ जिसमें श्री राकेश कुमावत पुष्कर अध्यक्ष, श्री दिनेश कुमावत गोविंदगढ़ उपाध्यक्ष, श्री गेनाराम कारबाल थांवला महामंत्री, श्री दिलराज कुमावत पीसांगन कोषाध्यक्ष तथा श्री कवरीलाल कुमावत फतेहपुरा सहायक कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। श्री साबूराम कुमावत को संरक्षक मनोनीत किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश कुमावत ने युवा समाज बंधुओं को समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। महामंत्री श्री गेनाराम कारबाल ने नारी शिक्षा पर जोर दिया। अध्यक्ष ने चम्मालिसा क्षेत्र में आने वाले सभी गांवों में समिति की इकाई गठन करने की घोषणा की।

राजस्व रिकॉर्ड में कुमावत प्रजापति लिखने पर विधायक को सौंपा ज्ञापन

रोजड़ी तहसील के राजस्व रिकॉर्ड में सुधार को लेकर सरपंच महेन्द्र कुमावत ने फुलेरा विधायक निर्मल कुमावत से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। **बताया गया है कि मूल राजस्व रिकॉर्ड में सेटलमेंट समय से ही जाति कुम्हार दर्ज थी,** लेकिन वर्तमान ऑनलाइन जमाबंदियां जारी करवाने पर उसमें कुम्हार (प्रजापति) दर्ज कर दिया गया है। जबकि सभी किसान कुम्हार (प्रजापति) नहीं हैं। अत: इसका सम्पूर्ण क्षेत्र में दुरुस्तीकरण किया जाना चाहिए। इस समस्या के कारण कुमावत जाति के किसानों को केसीसी लोन लेने, लघु सीमांत किसानों को कई तरह की सरकारी योजनाओं का लाभ व जाति प्रमाण पत्र बनवाने में परेशानी आ रही है। विधायक निर्मल कुमावत ने शीघ्र ही राजस्व मंत्री से भेंट कर इसे दुरुस्त कराने का आश्वासन दिया। वहीं कानाराम कुमावत ने उपखंड अधिकारी सांभर को भी ज्ञापन सौंपा।

एकल/द्वि-पुत्री योग्यता पुरस्कार योजना (राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड)

राजस्थान बोर्ड परीक्षा में ऐसी बालिकों ने जिन्होंने राज्य स्तर तथा जिला स्तर पर कटऑफ अंक या अधिक अंक प्राप्त किये हैं तथा जो अपने परिवार में एक मात्र संतान या परिवार में दो संतान है। (दोनों पुत्रियां हैं) अथवा एक संतान के बाद दो जुड़वा पुत्रियां हैं या तीनों पुत्रियां हैं पुरस्कार हेतु पात्र हैं। इस वर्ष बोर्ड कार्यालय में आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि 14 मई, 2021 है।

पुरस्कार में राज्य स्तर पर एवं जिला स्तर पर दी जाने वाली राशि का भुगतान छात्राओं के बैंक खातों में ऑन लाइन किया जाता है। भुगतान की जाने वाली राशि का विवरण इस प्रकार है:-

	राशि रुपए	
	राज्य स्तर	जिला स्तर
माध्यमिक व माध्यमिक (व्यवसायिक) परीक्षा	31,000	11,000
प्रवेशिका परीक्षा उच्च माध्यमिक व वउच्च माध्यमिक	31,000	11,000
(व्यावसायिक) परीक्षा	51,000	11,000
व. उपाध्याय परीक्षा	51000	11000

आप विस्तृत जानकारी के लिए आयोग की वेबसाइट rajeduboard.rajathan.gov.in को देखें। कुमावत समाज की छात्राओं के हित में सूचनार्थ प्रकाशित है।

KPL-4 क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न- मिला भामाशाओं का सहयोग

नगर महासभा, उदयपुर द्वारा आयोजित 3 दिवसीय KPL4 क्रिकेट प्रतियोगिता सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई । प्रथम स्थान पर शिवजी सूरमा टीम एवं द्वितीय स्थानपर प्रताप योद्धा टीम रही।

इस प्रतियोगिता में उदयपुर की कुमावत समाज की आठ टीमों ने भाग लिया। इसके मुख्य अतिथि महासभा भवन निर्माण के संरक्षक, सभी पंचायतों के प्रतिनिधि एवं सभी टीमों के टीम ऑनर थे।

विजेता एव उप विजेता टीमों को पुरस्कार स्व. श्री छगन टाँक की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी व महासभा भवन की भामाशाह श्रीमति कमला टाँक के सौजन्य से दिए गए। साथ ही श्रीमती कमला टाँक ने एक बहुत ही सराहनीय एवं युवाओं में एक ऊर्जा तथा होंसला देने वाली घोषणा की गई कि प्रतिवर्ष KPL टूर्नामेंट के पुरुस्कार स्व. छगन जी टाँक की स्मृति में उनके सौजन्य से दिये जायेंगे। नगर महासभा आप द्वारा इस सहयोग के लिये उनका आभार व्यक्त किया गया।

अगर इसी तरह अन्य समाज बन्धु इस प्रतियोगिता के लिये एक-एक मद में सहयोग करें तो इस प्रतियोगिता, युवाओं में एवं समाज में भाई-चारे व एकता को बल मिलेगा। हिसाब की गणित तो कोई भी लगा देगा पर आयोजन कमेटी के कंधों पर 10 से 15 दिन इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अतिरिक्त जिम्मेदारी रहती है। अगर भामाशाओं द्वारा हर मद के लिये अलग सहयोग हो जाए तो यह टूर्नामेंट कराना आसान होगा ।

हर बार की तरह इस बार भी टीम आर्नस, खिलाड़ियों, भामाशाहों व इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी साथियों का बहुत-बहुत आभार। इनके द्वारा दिये गए सहयोग से यह प्रतियोगिता सफल हुई है। इसमें और भी सुधार करने एव भव्य रूप देने का निरंतर प्रयास होगा।

इस बार 10 वर्ष से छोटे बच्चों को पुरस्कार भामाशाह श्रीमान अनन्तराम गोठवाल द्वारा दिये गए। विजेता ट्रॉफी एव टीम आनर्स के स्मृति चिन्ह नगर महासभा, उदयपुर द्वारा भेंट की गई। विजेता ट्रॉफी हर वर्ष ये ही रहेगी जो महासभा भवन, उदयपुर पर रहेगी। मुख्य अतिथि महासभा भवन के भामाशाह श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, श्रीमति यशोदा टाँक, पँचायत पदाधिकारी श्री रमेश भदानिया, श्री भागचन्द्र बातरा, श्री मदन मोहन टाँक, श्री कन्हैया लाल नाहर, श्री पुरुषोत्तम उदीवाल एव समस्त टीम ओनर्स जो कि इस प्रतियोगिता के भामाशाह है, का बहुत-बहुत आभार कि जिन्होंने कार्यक्रम में पधारकर सभी खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया एव उनका होंसला बढ़ाया ।

इसी कड़ी में द. प. जोन महामन्त्री श्री दया शंकर रावड़िया ने घोषणा की कि आगे KPL प्रतियोगिता जोन स्तर पर भी कराई जाएगी जिसके लिये आवश्यक तैयारियां चल रही हैं।

-युवराज नाहर, अध्यक्ष,नगर महासभा, उदयपुर

किसान भंवर लाल कुमावत का जिलास्तरीय कृषक पुरस्कार, जैविक खेती के लिए किया चयन

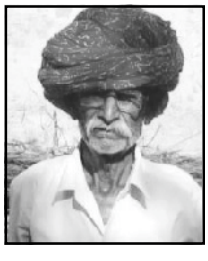

उपखंड की ग्राम पंचायत डाबर कला के कल्याणपुरा गांव निवासी भंवरलाल कानाराम कुमावत का जैविक खेती के लिए जिला स्तरीय कृषक पुरस्कार के लिए चयन किया गया है। उनका सत्र 2020 -21 के लिए चयन हुआ है। इसके तहत उन्हें पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपए की राशि उनके बैंक खाते में जमा हो गई हैं। कृषक भंवरलाल कुमावत ने वर्मी कंपोस्ट, डी कंपोजर, अमृतजीवा, आदि लगाकर जैविक खेती की है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में रासायनिक खादों, कीटनाशकों के दुष्परिणामों को देखते हुए आने वाले समय में सभी किसानों को जैविक खेती अपनानी होगी। जिससे किसानों की आय भी बढ़ेगी और लागत भी कम आएगी। रासायनिक खादों के प्रयोग से जमीन बंजर हो रही है। वहीं मानव स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना

राजस्थान के हर परिवार को कैशलेस इलाज के लिए 5 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा का लाभ 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना' के तहत 1 मई, 2021 से दिया जाएगा। यह राजस्थान सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस हेतु 1 अप्रेल 2021 से 30 अप्रेल 2021 तक योजना की वेबसाइट health.rajasthan.gov.in पर रजिस्ट्रेशन या तो स्वयं करें या नजदीकी ई-मित्र पर जाकर कराना होगा। इस हेतु (1) आधार कार्ड (2) भामाशाह या जन-आधार कार्ड या जन आधार कार्ड रजिस्ट्रेशन रसीद आवश्यक है।

सरकारी या निजी अस्पताल में भर्ती होने पर कैशलेस इलाज की सुविधा मिल सकेगी। सामान्य बीमारी के लिए 50 हजार रुपए एवं गम्भीर बीमारी के लिए 4 लाख 50 हजार रुपए तक का प्रति परिवार/प्रतिवर्ष का बीमा है। प्रति परिवार 850 रुपये का मामूली प्रीमियम देकर योजना से जुड़ पायेंगे। इसमें पंजीयन पर अब शुल्क भी नहीं देना होगा।

ग्रीष्म ऋतु की बीमारियां

अप्रेल से जून तक ग्रीष्म ऋतु चरम पर रहती है। इस दौरान प्राय: पेट संबंधी रोग यथा लू, दस्त, उल्टी, पीलिया, हैजा आदि हो जाया करते हैं। हमें विशेष ध्यान रखते हुए इससे बचने के उपाय करने चाहिए। इन उपायों में हम-

1. धूप में जाने से बचें 2. सूती कपड़ों का प्रयोग करें 3. शीतल पेय का सेवन करें 4. मावे से बनी मिठाइयों का प्रयोग न्यूनतम तथा सावधानी से करें 5. पानी, छाछ, दही, शरबत, जूस इत्यादि का सेवन करें 6. बासी खाना नहीं खाएं 7. आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखें 8. प्रात: घूमने जाएं एवं स्वच्छ हवा का सेवन करें तथा 9. हल्का व्यायाम एवं योगा करें।

पीलिया रोग : पीलिया होने पर गन्ने का रस, मौसमी का रस, उबली हुई सब्जियां तथा भुने हुए चने का सेवन श्रेयस्कर है। भोजन में घी-तेल का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

उल्टी : उल्टी होने पर अमृतधारा, पोदीने का रस इत्यादि का सेवन लाभदायक है।

लू होने पर : तलवे की मालिश प्याज के रस व घी से करना तथा ठण्डा दूध पीना चाहिए। कैरी का पना लू से बचाव का अच्छा व सुलभ साधन है। लू से बचाव के लिए सिर को कपड़े से ढककर जाना चाहिए तथा घर से भूखे नहीं जाना चाहिए। लू से बचाव के लिए कच्चे प्याज का सेवन अच्छा रहता है।

दस्त होने पर : नमक-चीनी का घोल, नीबूं का रस, कपूर रस, कपूरधारा, अमृतधारा का सेवन लाभदायक है। खाने में केला तथा चावल-मूंग की पीली दाल की खिचड़ी लाभदायक होती है।

इसके अतिरिक्त हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि शीतल वातावरण से एकदम धूप/गर्मी में नहीं निकलें साथ ही गर्म वातावरण से शीतल वातावरण में एकदम नहीं जाएं। इसी प्रकार बाहर गर्म वातावरण से अन्दर आने पर तुरन्त अधिक ठंडा पानी अथवा शीतल पेय न पीएं। यदि जुकाम हो गया है तो ठंडे पानी में जीरा, धनिया मिलाकर पीना चाहिए। गुलकन्द खाने से भी लाभ होता है। इलायची, मुनक्का व अदरक पीसकर उसका सेवन करना भी ठीक रहता है। इन प्राथमिक उपायों से लाभ नहीं हो तो चिकित्सक से परामर्श करें।

अर्ज सुणो हे अविनाशी

अब अर्ज सुणों हे अविनाशी।
कर जोड़ कह्वै भारतवासी।
कोरोनो पापी कद जासी।
कोरोनो पाछो कद जासी।।

अठे बन्द पड्या दफ्तर सारा,
गाड्यां ऊबी सब नाकारा।
मीलां पर ताळा लटक्या है,
मजदूर अधर मं अटक्या है।
सै आज चोखट्यां बंद पड़ी,
ध्याड़ी करबा'ळा के खा'सी।
कोरोनो पाछो कद जासी...।

फसलां खेतां मं सूखै है,
करसां री छाती हूकै है।
ब्यौपार बिणज सब डूबै है,
सुण सुण नं मा'थो घूमै है।
इस्कुल कॉलेजां बन्द रह्यां,
टाबरिया कंय्या पढ़ पा'सी।
कोरोनो पाछो कद जासी...।

खींच्योड़ी का'रां कणां मिटै,
आ ताळाबन्दी कणां हटै।
भाई सैणां सूं कणां मिलै,
हेताळू पाछा कणां घुळै।
पळिया मं सगळा अैक जगां,
भेळा हो'कै कद बतळासी।
कोरोनो पाछो कद जासी...।

सगळा नं पाछा हरखा'सी,
दाझेड़ा हिवड़ा सरसा'सी।
संकट की बेळ्यां आवैगो,
सांवरियो टेक निभावैगो।
'चंचल' क्यूं ठालो सोच करै,
सब पीड़ हरैगो अविनासी।

कोरोनो बेगो ही जासी...।
कोरोनो बेगो ही जासी...।।

-प्रहलाद कुमावत 'चंचल'
जाहोता (जयपुर)

डॉ. हरिवंशराय बच्चन की यह कविता

इस समय प्रासंगिक

मत निकल, मत निकल, मत निकल आज बहुत उपयुक्त जान पड़ती है। इस कविता का एक-एक शब्द जैसे आज हमारे लिए उन्होंने लिखा है!

शत्रु ये अदृश्य है
विनाश इसका लक्ष्य है
कर न भूल, तू जरा भी ना फिसल
मत निकल, मत निकल, मत निकल
हिला रखा है विश्व को
रुला रखा है विश्व को
फूंक कर बढ़ा कदम, जरा संभल
मत निकल, मत निकल, मत निकल
उठा जो एक गलत कदम
कितनों का घुटेगा दम
तेरी जरा सी भूल से,
देश जाएगा दहल
मत निकल, मत निकल, मत निकल
संतुलित व्यवहार कर
बन्द तू किवाड़ कर
घर में बैठ, इतना भी
तू ना मचल
मत निकल, मत निकल, मत निकल .....

कुमावत जन्मजात अभियंता

मैं परम पिता परमेश्वर को धन्यवाद अर्पित करता हूं कि मेरा जन्म कुमावत समाज में हुआ है। मैं इस पर गर्व भी महसूस करता हूं।

मानव की तीन मूलभूत आवश्यकताएँ है: रोटी, कपड़ा और मकान। इन तीन मूलभूत आवश्यकताओं में से एक मकान (आवास) की सुविधा, हमारा समाज आदिकाल से मानव समाज को देता आया है। देश में जितने भी स्थापत्य कला के नमूने हैं वो संपूर्ण विश्व जगत को आकर्षित करते हैं । सभी शहरों व गांवों की बसावट, किले, महल, हवेलियां, मंदिर, अजंता-एलोरा की गुफाएं अपने पूर्वजों की इस महान कला से आज भी रूबरू करवाती है।

हमारा समाज हमेशा इसकला के माध्यम से आवासीय सुविधा देने के साथ रोजगार भी देता आया है। आजादी के बाद 70 सालों में सरकारी नौकरी की तरफ रुझान होने से हमारे समाज में बेरोजगारी बढ़ गई है, लोग हाथ के काम को हीन समझने लग गए यह समाज के बुद्धिजीवी वर्ग को सोचने पर मजबूर कर देता है। कला को जीवित रखने के लिए अगर पूरे मानव समाज को रोजगार देने के लिए कुमावत समाज की युवा पीढ़ी को जगाना होगा इसके लिए सामाजिक संस्थाओं को आगे आना होगा। अन्य समाजों में तो बच्चे पैदा होते हैं और **कुमावत समाज में जन्मजात अभियंता पैदा होते हैं।** आवश्यकता है इस कला के अभियंताओं को प्रोत्साहित करने की है जिसे हम सभी को मिलकर करना होगा। हमें गर्व होना चाहिए कि अयोध्या में जो विश्व प्रसिद्ध राम मंदिर बन रहा है उसमें कुमावत समाज के कलाकारों और अभियंताओं की कला व अंतरात्मा का समावेश हो रहा है।

आज हमारे कलाकार और अभियंता विदेशी तकनीक के मुरीद हो गए हैं। जबकि आज के **इस आर्थिक युग में सस्ते आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए भी कुमावत समाज को सोचना होगा।** यह कार्य कुमावत समाज आसानी से कर सकता है।

कुमावत समाज के कलाकार और अभियंता पूर्व की भांति पुनः ठान ले तो अपनी स्थापत्य कला के ज्ञान के आधार पर आने वाले समय में भी पूरे विश्व को मुरीद बना सकता है। जरूरत है इस निश्चय को जाग्रत करने की।

मैं पेशे से चिकित्सक होते हुए भी अपने पूर्वजों की इस कला में विशेष रुचि रखता हूं जो हमारे कुमावत समाज के डीएनए में व्याप्त है।

-डॉ. बी.एल.कुमावत, अचरोल, जयपुर
मो. 9079389184

एक निर्भीक पत्रिका

कुमावत समाज में अनेक पत्रिकाएं निकाली जाती हैं जिनका लाभ समय-समय पर समाज के बंधुओं को मिलता है, इसी प्रकार अनेक संस्थाएं भी हैं जो हमारे समाज हित में निरंतर कार्य करती रही हैं और अनेक सामाजिक सरोकार से जुड़ी रहती हैं, नि:संदेह इसका फायदा देर-सवेर सबको मिलता रहता है किंतु **एक पत्रिका जिसने बहुत ही कम समय में पूरे भारत वर्ष में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया है वह है 'कुमावत इंडिया' पत्रिका।**

इस पत्रिका की खासियत है कि इसमें **महिलाओं को विशेष स्थान देते हुए निरंतर एक कॉलम उन्हीं के लिए रिजर्व रखा जाता है जहाँ वे खुलकर अपने विचार व्यक्त कर सकती हैं** तथा स्वयं की उपलब्धियों को भी गिना सकती हैं। यह पत्रिका हर क्षेत्र में होने वाली घटनाओं का निष्पक्ष ब्यौरा तैयार कर प्रकाशित करवाती है।

समाज के हर व्यक्ति को चाहे वह इसका सदस्य हो या न हो उचित मान देकर अपनी समस्याओं से समाज को रूबरू होने का मौका देती है। समय-समय पर इसके पदाधिकारी समाज के जरूरतमंद व होनहार खिलाड़ियों की मदद का बीड़ा उठाकर व कार्यक्रमों के जरिये उनकी हौंसला अफजाही भी करते हैं। यही नहीं पत्रिका के सभी ट्रस्टी व पदाधिकारी अपने निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर अपना अमूल्य समय इस पत्रिका के प्रकाशन में दे रहे हैं ताकि समाज का हित साधन में यह पत्रिका मील का पत्थर साबित हो सके।

अंत में मैं यह भी बताना चाहूँगा कि इसके सभी पदाधिकारीगण अपने-अपने क्षेत्र के ख्यातिनाम व बुद्धिजीवी होने के साथ-साथ समाज के प्रति तन-मन-धन से समर्पित हैं। अत: पत्रिका को एक निर्भीक पत्रिका की श्रेणी में रखा जाना उचित ही है।

- रमेश वर्मा

पत्रिका में समाज के खिलाड़ियों, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, कलाकारों, हस्तशिल्पियों के कार्यों का प्रकाशन किया जाकर उन्हें आगे लाने का प्रयास किया जाता है। समाज के लिए विशिष्ठ योगदान देने वाले व्यक्तियों के योगदान को 'कुमावत गौरव' शीर्षक में प्रकाशित किया जाता है। इस हेतु योग्यजनों का विवरण पत्रिका को भेजने का श्रम करें।

रामनवमी पर विशेष

त्रेता युग में अयोध्या के रघुकुल के सूर्यवंशी राजा दशरथ व माता कौशल्या के यहाँ चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी को विष्णु के 7वें अवतार के रूप में राम का जन्म हुआ था। वाल्मिकी द्वारा लिखित संस्कृत महाकाव्य रामायण एवं गोस्वामी तुलसीदास के अवधि भाषा में 'रचित महाकाव्य' रामचरित मानस में राम के चरित्र को एक आदर्श पुरुष के रूप में उल्लेखित किया गया है। राम ने जीवन में अनेक मर्यादाएं स्थापित की इसलिए इन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' राम भी कहा गया। राम ने माता-पिता, राजसी वैभव, राज्य, राजगद्दी तथा पत्नी को भी छोड़ा। एक ही जीवन में इतना सब एक साधारण पुरुष के लिए कर पाना असम्भव था। उन्होंने एक आदर्श भारतीय परिवार की परम्परा प्रारम्भ की जिसका अनुकरण आज भी भारतीय समाज करता रहा है तथा इसे हमारी संस्कृति का अभिन्न भाग मानता है।

राम की तीसरी माता कैकयी ने मंथरा दासी के बहकावे में आकर राजा दशरथ से दो वर मांगे थे। प्रथम भरत को अयोध्या का राज्य व द्वितीय राम को 14 वर्ष का वनवास। पिता के वचन की पालना के लिए राम ने अयोध्या का राज्य त्याग दिया व अपनी पत्नी सीता व भ्राता लक्ष्मण संग 14 वर्ष के लिए वनवास पर चले गये। रघुकुल में कहावत है **''रघुकुल रीत सदा चली आयी, प्राण जाय पर वचन न जाई''**। यहां हम देखते हैं (i) शासन का त्याग (ii) पिता द्वारा दिये गये वचनों की पुत्र द्वारा पालना करना (iii) सीता का राजसी वैभव का त्याग (iv) बड़े भ्राता के लिए लक्ष्मण का त्याग व सेवा भाव (v) लक्ष्मण की पत्नी का पति से विछोह (vi) इसके बाद दु:खी पिता दशरथ की व्यथा व देह त्याग (vii) फिर भरत का त्याग भी देखा। अर्थात 'हर कोई त्याग ही त्याग' करता है।

वनवास में राजकुमार राम, सीता व लक्ष्मण वनवासियों की भांती जीवन व्यतीत करते हैं। ऋषियों की रक्षा हेतु राक्षसों को मार भगाते हैं। पत्नी सीता के अपहरण होने पर सामान्यजन की भाँती दु:खी होकर रोते हैं व सीता को वन-वन तलाशते हैं। फिर सीता की तलाश हेतु सुग्रीव से मित्रता कर वानर प्रजाति से मदद लेते हैं। यद्यपि वे स्वयं तीनों लोकों के स्वामी थे व सक्षम थे किन्तु पृथ्वी पर अवतार को मानवरूप में साकार करने के लिए उन्होंने ऐसा किया। जहाँ किष्किंधा के राजा बाली को उसके किये का दण्ड दिया वहीं सुग्रीव तथा वानर सेना का मनोबल बढ़ाया। अस्त्र-शस्त्र के पूर्णज्ञाता व पारंगत होने पर भी आम व्यक्ति की तरह शक्ति सम्पन्न रावण व उसके सेनापत्तियों से युद्ध करके उन्हें पराजित किया। इस युद्ध में राम ने युद्ध के नियमों, कूटनीति, मानवता आदि का पालन किया। इससे आमजन, ऋषि-मुनियों तथा राजाओं को रावण के आतंक से मुक्ति मिल पायी। धर्म का राज स्थापित कर राम ने अपने अवतार को सार्थक किया।

राम ने अयोध्या लौट कर अनेक वर्षों तक ऐसा शासन किया उस **'राम राज्य'** की दुहाई आज भी दी जाती है। रामराज्य में जनता सुखी व प्रसन्न थी व राम प्रजापालक राजा थे। राम ने इस दौरान भी अनेक मर्यादाएं स्थापित की व अपनी प्रिय पत्नी तक का त्याग करने में नहीं हिचके। राम के अलावा कोई अन्य ऐसा करने की सोच भी नहीं सकता था।

इसीलिए राम के जन्मदिन को **रामनवमी** के रूप में न केवल भारतवर्ष में अपितु थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया आदि में धूमधाम से मनाया जाता है एवं राम की बालरूप में पूजा की जाती है। **कुमावत जाति राम को जातीय देवता के रूप में पूजती है।** इस दिन मंदिरों एवं समाज की संस्थाओं में राम की पूजा एवं स्तुति की जाती है।

अब उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद न्यायिक विवाद समाप्त हो गया है तथा सैकड़ों वर्षों बाद अयोध्या में रामजन्मभूमि पर राममंदिर निर्माण प्रारम्भ हो चुका है जो शीघ्र ही पूर्ण होगा। अयोध्या का वैभव पुन: कायम होगा, राम से जुड़ी घटनाएँ यहां प्रदर्शित होंगी एवं हमारी संस्कृति की जीवंत प्रस्तुति का विश्वभर के लोग अवलोकन कर पायेंगे। भारत के लोग भी राम के चरित्र से प्रेरणा लेकर आदर्श जीवन जीने को प्रेरित होंगे। आईये, हम भी राम के आदर्श पथ पर कुछ कदम चलने का प्रयास करें।

कुमावत इण्डिया पत्रिका मासिक का प्रकाशन वक्तव्य

1.	प्रकाशन का स्थान	: जयपुर (राजस्थान)
2.	प्रकाशन की अवधि	: प्रतिमाह 21 तारीख
3.	मुद्रक का प्रकाशक का नाम	: हेमचन्द कुमावत
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: 2806, खड़गटा भवन, मोतीडूंगरी, जयपुर-302004
4.	सम्पादक का नाम	: रामप्रकाश कुमावत
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: 433 ए, सूर्यनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
5.	मुद्रक का नाम	: चेतन बालोदिया
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: राज ब्लॉक्स, साईं बाबा मन्दिर के पास, चौड़ा रास्ता, जयपुर, ब्रांच बी 81, करतारपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो पत्र के स्वामी हैं	: कुमावत प्रगति ट्रस्ट, एफ 31/ए, एस.एल. मार्ग, लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मैं हेमचन्द कुमावत एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया विवरण सही है।

दिनांक : 22 मार्च, 2021 **-हेमचन्द कुमावत, प्रकाशक**

विवाह एवं ज्योतिष-एक विश्लेषण

(गुण मिलान एवं कुण्डली मिलान)

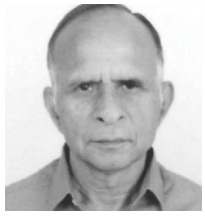

विवाह एक ऐसा पवित्र एवं अटूट बन्धन है जिसके आधार पर पति-पत्नी के मध्य एक स्थायी दैहिक, आत्मिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक जुड़ाव स्थापित होता है। विवाह, दाम्पत्य जीवन का आधार है तथा दाम्पत्य जीवन परिवार का आधार है। परिवार से ही समाज का सृजन होता है। विवाह के उपरान्त ही एक पुरुष एवं एक स्त्री पति-पत्नी के रूप में साथ-साथ रह सकते हैं। दाम्पत्य जीवन सुखद, सरस, स्नेहपूर्ण और सफल हो, इसके लिए यह आवश्यक है कि पति व पत्नी के शारीरिक गुणों, स्वभाव, प्रकृति, विचारधारा, मनोवृत्ति, मान्यताओं, आस्था तथा जीवन मूल्यों में समानता हो। पति-पत्नी में जितना अधिक शारीरिक एवं भावनात्मक तालमेल होगा, दाम्पत्य जीवन उतना ही अधिक सुखद एवं सफल होगा।

भावी पति-पत्नी में सुखद तालमेल बना रहे, इस उद्देश्य से विवाह से पूर्व इसका अनुमान लगाना आवश्यक है। इस क्षेत्र में यह हमारे प्राचीन महर्षियों की अनुपम देन है। इसी कारण विवाह से पूर्व, वर-वधू के गुणावगुणों के तालमेल की जांच करने हेतु जन्म-पत्रिकाओं के मेलापन (मिलान) की व्यवस्था सदियों से चली आ रही है। गुण मिलान में अष्टकूटों (वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गण, भकूट ओर नाड़ी कूट पर विचार किया जाता है। इनकी कुल गुण संख्या 36 है। यों तो 36 गुणों में से 36 गुणों भी मिल जते हैं। उदाहरणार्थ, यदि वर वृक्ष राशि के मृगशिरा नक्षत्र दो चरण (नामाक्ष्ज्ञक्र वे, वो) का हो तथा वधू नक्षत्र रोहिणी (नामाक्ष्ज्ञक्र ओ, वा, वि, वु) की हो। गुण मिलान में कम से कम 18 गुण मिलने पर विवाह की प्राय: अनुमति दे दी जाती है।

गुण मिलान की अपेक्षा वर-वधू की जन्मपत्रिका के ग्रह योगों को मिलान अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यदि 18 से कम गुण भी मिलते हों और दोनों की जन्म पत्रिकाओं में ग्रहों का मेल हो तथा वे जन्म पत्रिकायें परस्पर एक-दूसरे की पूरक हों, तो विवाह की अनुमति दे देनी चाहिए।

कुण्डली मिलान में वर-वधू के हंसक तत्वों यथा-अग्नि, जल, वायु, भूमि तत्वों में मैत्री होना भी महत्वपूर्ण है।

केवल गुण मिलान से सन्तानि का भी अनुमान लगाना कठिन हो जाता है तथा वर-वधू के स्थायी दाम्पत्य जीवन का अनुमान भी असम्भव है। दोनों के चाल-चलन इत्यादि का भी अनुमान नहीं हो पाता, यह सब बातें कुण्डली मिलान द्वारा ही सम्भव है।

सामान्यतया माता-पिता द्वारा गुण मिलान करवाने तथा कुण्डली मिलान को महत्व न देने के कारण विवाह पश्चात् वर-वधू में दिन रात की कलह के कारण जीवन नरक बन जाता है। पति अपनी पत्नी को छोड़कर अन्य स्त्री से विवाह रचा लेता है तो पत्नी अपने पति से विमुख होकर पुनर्विवाह कर लेती है। पति विधुर अथवा पत्नी विधवा हो जाती है। विपरीत परिस्थितियों की चरम सीमा जीवन साथी द्वारा तलाक या हत्या का कारण भी बन जाती है तो कभी जीवन साथी आत्महत्या करने पर भी विवश हो जाते हैं। कुछ युगल ऐसे भी होते हैं, जो नरक तुल्य दाम्पत्य जीवन भोगते हुए भी अन्तिम निर्णय नहीं कर पाते और जीवन रूपी गाड़ी के पहियों में ऑयल (स्नेह) एवं ग्रीस (मधुरता) दिये बिना ही गाड़ी खींचने रहते हैं।

मांगलिक दोष भी विवाह में आड़े आ जाता है और विवाह होना मुश्किल हो जाता है। मांगलिक दोष के बारे में कहा गया है कि एक पक्ष की कुण्डली में 1, 4, 7, 8, 12 भावों में से एक में मंगल हो और विपरीत पक्ष के इन भावों में से किसी एक भाव में मंगल न हो तो मांगलिक दोष माना जाता है। इसके भी कुछ परिहार हैं। मांगलिक दोष, जन्म कुण्डली से ही ज्ञात हो सकता है।

वर-वधू की एक ही नाड़ी होने पर अर्थात् वर-वधू का एक ही नक्षत्र हो एक ही नाड़ी में पड़ तो नाड़ी दोष रहता है। अष्टकूट के 36 गुणों में से 8 अंक नाड़ी दोष के कम कर दिए जाते हैं। नाड़ी दोष एक महादोष है। अत: नाड़ी की शुद्धि सर्वत्र आवश्यक है। कुछ विद्वान कहते हैं कि नाड़ी दोष केवल ब्राह्मणों के लिए वर्जित है और शेष वर्णों में नाड़ी दोष नहीं मानते। कभी-कभी निर्णीयमान यह नाड़ी दोष केवल ब्राह्मणों को ही क्यों कष्टप्रद होगा ? विष तो विष है, यदि ब्राह्मण खाये तो घातक और क्षत्रिय खाये तो पुष्टि-वर्धक कैसे हो सकेगा ? नाड़ी दोष के परिहार का विस्तृत विवेचन अगली बार किया जाएगा।

अत: उपर्युक्त सभी तथ्यों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि गुण मिलान, बोलते नाम की अपेक्षा, जन्म नाम से ही उपयुक्तरहता है। साथ में, कुण्डल मिलान ही, विवाह करने से पूर्व, अच्छे ज्योतिर्विद की सलाह से उत्तम विवाह में सार्थक रहता है।

बन्धुगण, इस सम्बन्ध में नि:शुल्क विचार-विमर्श के लिए चाहें तो सम्पर्क कर सकते हैं।

- **राजेन्द्र प्रसाद खोरानिया, ज्योतिर्विद,** मो. 9001797989

किसी की मानहानि करना कानूनी अपराध

अपने विचारों को दूसरों तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम है 'लेखन'। चाहे गद्य हो या पद्य लेखन के माध्यम से दूर बैठे हुए व्यक्ति तक भी अपने विचार आसानी से पहुंचाये जा सकते हैं। लेखन की अनेक विद्याएँ हैं जिनमें आर्टिकल, कहानी, कविता, गजल, समीक्षा, न्यूज आदि। आजादी से पहले प्रेस ने भारतीय जनमानस पर स्वतंत्रता की अलख जगाने का कार्य किया तथा अखिल भारतीय स्तर तक देशवासियों को जोड़ा। निर्विवाद रूप से पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है, यह सरकारों को उनकी कमियों को समय-समय पर बताने का काम करता है, वहीं जन जागृति का भी कार्य करता है। पर मीडिया को असीमित स्वतंत्रता नहीं दी है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है वहीं इस पर कुछ अंकुश भी लगाये गये हैं। किसी व्यक्ति एवं संस्था की प्रतिष्ठा के विरुद्ध लेख प्रकाशित करना तथा बेचना भारतीय **दण्ड संहिता की** धारा 499-502 में अपराध है। इससे सम्बन्धी कानूनी प्रावधान निम्न प्रकार से है-

धारा 499 के अनुसार, जो कोई या तो बोले गए या पढ़े जाने के लिए आशयित शब्दों द्वारा या संकेतों द्वारा, या दृष्य रूपणों द्वारा किसी व्यक्ति के बारे में कोई लांछन इस आशय से लगाता या प्रकाशित करता है कि जिससे उस व्यक्ति की ख्याति को क्षति पहुँचे या यह जानते हुए या विश्वास करने का कारण रखते हुए ऐसे लांछन लगाता या प्रकाशित करता है जिससे उस व्यक्ति की ख्याति को क्षति पहुँचे, तो तत्पश्चात अपवादित दशाओं के सिवाय उसके द्वारा उस व्यक्ति की मानहानि करना कहलाएगा।

स्पष्टीकरण 1- किसी मृत व्यक्ति को कोई लांछन लगाना मानहानि की कोटि में आ सकेगा यदि वह लांछन उस व्यक्ति यदि वह जीवित होता की ख्याति को क्षति करता, और उसके परिवार या अन्य निकट सम्बन्धियों की भावनाओं को चोट पहुँचाने के लिए आशयित हो।

स्पष्टीकरण 2 से 4.....

धारा 500 के अनुसार, जो कोई किसी अन्य व्यक्ति की मानहानि करेगा, तो उसे किसी एक अवधि के लिए सादा कारावास से जिसे दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, या आर्थिक दण्ड या दोनों से दण्डित किया जाएगा।

धारा 501 के अनुसार, जो कोई किसी बात को यह जानते हुए या विश्वास करने का अच्छा कारण रखते हुए कि ऐसी बात किसी व्यक्ति के लिए मानहानिकारक है, मुद्रित या उत्कीर्ण करेगा, तो उसे किसी एक अवधि के लिए सादा कारावास से जिसे दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है या आर्थिक दण्ड या दोनों से दण्डित किया जाएगा।

धारा 502 के अनुसार, जो कोई किसी मुद्रित या उत्कीर्ण सामग्री को, जिसमें मानहानिकारक विषय अन्तर्विष्ट है, यह जानते हुए कि उसमें ऐसा विषय अन्तर्विष्ट है, बेचेगा या बेचने की प्रस्थापना करेगा, तो उसे किसी एक अवधि के लिए सादा कारावास से जिसे दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है या आर्थिक दण्ड या दोनों से दण्डित किया जाएगा।

अत: लेखकों, पत्रकारों व समाचार पत्र-पत्रिकाओं को मर्यादा में रहते हुए लिखना व प्रकाशन करना होता है अर्थात असीमित अभिव्यक्ति की आजादी जहां निरंकुश बना सकती है वहीं किसी की हानि भी कारित हो सकती है। किन्तु कुछ लोग अपनी मर्यादाओं को शायद नहीं जानते या जानना नहीं चाहते। इस कारण वे स्वयं यह अपराध कारित कर बैठते हैं। **उन्हें अक्ल तब आती है जब कोई उनके विरुद्ध मानहानि कारित करने का मुकदमा न्यायालय में दायर कर देता है** व उन्हें कारावास व अर्थदण्ड दे दिया जाता है। यह असंज्ञेय और अजमानती अपराध है। **ध्यान रहे कि मृत व्यक्ति की मानहानि करना भी अपराध है।** मृत व्यक्ति का निकट रिश्तेदार इसके प्रतिकार के लिए मुकदमा कर सकता है। **मानहानि के लिए दीवानी वाद भी साथ ही दायर किया जा सकता है।** दीवानी वाद प्रतिकार प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।

अत: किसी व्यक्ति, संस्था आदि के सम्बन्ध में लेख लिखना प्रकाशित करना एवं विक्रय करना (चाहे ऐसा कोई व्यक्ति करे अथवा संस्था) दण्डनीय अपराध है। संस्था/संगठन के द्वारा कारित अपराध के लिए संस्था के पदाधिकारी जिम्मेदार माने जाते हैं।

इसलिए लेखक, प्रकाशक एवं विक्रेता ध्यान रखे कि किसी की भी मानहानि होने वाली सामग्री को पत्रिका, पुस्तक, पत्र आदि में न लिखे, न प्रकाशित करें एवं न ही बेचे। **अब समाज में लोग पढ़े-लिखे व जागरूक हैं, जहां उन्हें लगे कि किसी ने उनकी मानहानि की है तो ऐसे व्यक्ति व संस्था के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करके सबक सिखाने से नहीं हिचकते हैं।** जागरूक रहकर ही हमारा व हमारे समाज का भला है।

सेंधा नमक के उपयोग का लाभ

सेंधा नमक न केवल व्रत में उपयोगी है अपितु इसके उपयोग से शरीर को निम्न लाभ मिलते हैं:-

- तनाव कम करता है
- भूख को बढ़ाता है
- मांसपेशियों की ऐठन से छुटकारा दिलाता है
- अस्थमा को दूर करता है
- त्वचा के लिए लाभकारी है
- मूड को सही रखता है
- साइनस में राहत दिलाता है
- एक्टिव और फिट रखता है
- मेटाबॉलिज्म को ठीक रखता है
- ब्लडप्रेशर को कम करता है
- बॉडी पेन को कम करता है
- दांतों, मसूड़ों एवं गले के रोग में भी लाभदायक

आयुर्वेद में सेंधा नमक खाना उपयोगी माना गया है।

यथा राजा- तथा प्रजा

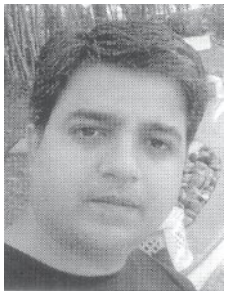

कहते हैं कि 'दुश्मन जंग में हारने के बाद , एक बार फिर लौट कर हमला करता है' यह अनुभवी सैनिक, लडाई के समय हमेशा अपने साथी और अनुज सिपाहियों को सलाह दिया करते थे, ताकि युवा सिपाही जीत के जश्न में खो न जाये या लड़ाई की थकान में सो ना जाये।

शायद हमारे देश की सत्ता और राजनेता यह भूल गए है या यूँ कहे कि सत्ता की मादकता ने उनके विवेक पर पर्दा डाल दिया है.. ? उन्हें अपनी सत्ता के एकाधिकार करने की लोलुपता में यह भयंकर महामारी नजर ही नही आ रही है.. !!

आम जनता के परिवार के सदस्यों की अकाल मृत्यु से शासन और प्रशासन को कोई फर्क पड़ रहा है... ? ऐसा उनके व्यवहार और आचरण से कहीं नजर नहीं आ रहा है।

वर्तमान की राजनीति में न राज करने की दिशा है और न नीति। जिसका जीवन्त उदाहरण है इस कोरोना की दूसरी लहर की भयावहता, जिसका निकट भविष्य में कोई समाधान नही दिख रहा है। क्योंकि जिनको हमने हमारे हितों और जीवन की सुरक्षा के लिए चुना था वो सिर्फ सत्ता के एकाधिकार को हासिल करने के लिए अपनी आंखें मूंदे अपनी ही जनता को ईश्वर के भरोसे मरने के लिए छोड़ दिया है।

लाचार व्यवस्था के बारे में कोई सवाल ना पूछे या कोई ये ना पूछ लें कि जब देश मे 23 अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डों पर ही इस भयानक बीमारी को देश में प्रवेश करने से 1 वर्ष पूर्व ही रोका जा सकता था तो इसे किसी बड़े देश के राजनेता के स्वागत करने के साथ-साथ इस महामारी को निमंत्रण क्यों दे दिया था.. ?

एक वर्ष पूर्व में लोगों के सड़कों पर चलते-चलते मरने के दृश्य अभी मानस पटल से मिटे भी नही थे कि फिर से वही परिदृश्य नजर आने लगे है.. !!

व्यापार-परिवार खत्म हो रहे है, दुकाने-बाजार फिर से बंद हो गए है, जिनके रोजगार बचे थे अब वो भी सडक पर आने को है, घर का किराया, बैंको के कर्जे, स्कूल की फीस , बिलों के भुगतान और भूख जैसी समस्याओं का दानव सिर पर बैठ गया है। क्योंकि पिछली बार तो जो जीवन भर की बची जमा पूंजी खत्म करके जैसे-तैसे जी गए, पर अब फिर से आई इस मुसीबत का क्या करेंगे... ?

क्यों ये नेता सस्ती राजनीति और सत्ता की भूख में आम जिंदगियों से खेलते चले जा रहे है... ? क्या हो गया है इस देश की राजनीति और राजनेताओं को.. ? कैसे देश के सर्वोच्च पद पर बैठे लोग अंधे धृतराष्ट्र की तरह सिर्फ सत्ता और रसूख रूपी दुर्योधन को बचाने के लिए आम लोगों को मोत के हवाले कर रहे है.. ?

पिछले 1 महीने में पूरे देश मे प्रतिदिन 1 लाख से 2 लाख लोग इस भयानक बीमारी के चपेट में आ रहे है, पर किसी ने भी समय रहते सुध नही ली है। केंद्र हो या राज्य सरकार किसी के पास कोई व्यवस्था या नीति नही थी इससे निपटने के लिए।

अस्पतालों में जगह नही है, दवा नही है, ऑक्सिजन नहीं है, हर जगह अगर कुछ है तो वो है हाहाकार सिर्फ हाहाकर .. !!

सम्पूर्ण देश मे रोज टीवी पर न्यूज देख कर दिल दहल रहे है पर कोई राहत या उम्मीद की आशा नहीं है... ? पर ऐसा अचानक हों क्या गया.. ?? इस सवाल के जवाब हमें अपने आप से भी पूछना पड़ेगा.. ? हमने थोड़ी सी राहत मिलते ही मास्क लगाना छोड़ दिया, हाथ धोना, दो गज की दूरी, सेनेटाइजर सब को भूल गए.. !!

हम घूमने निकल गए, शाम को ठेले पर चाट खाने लगे, जो पैसे वाले थे वो पार्टिया करने लगे, शादियों में वही भीड़, दुकानों, बाजारों, स्टेशनों, बसों में वही रेल-पेल , न कोई डर न कोई सुरक्षा। और सबसे बड़ा दम्भ की मुझे कोरोना नही होगा, और ऊपर से अब तो वेक्सीन आ गई है का अति उत्साह हमें ले डूबा।

सरकारों के लिए तो इससे अच्छा कुछ हो ही नही सकता था कि देखो हमने सबसे पहले वेक्सीन बना ली.. !! पर यह नहीं बताया कि 130 करोड़ लोगों तक यह कैसे पहुँचेगी, अगर दूसरी-तीसरी लहर आई तो क्या इंतजाम होंगे.... ??

हमने अमेरिका, लंदन, ब्राजील, जर्मनी, फ्रांस जैसे विकसित देशों में आई कई लहरों से भी सबक नहीं सीखा, बस बड़बोले पन और विश्व गुरु बनने के खोखले दावे में अपने देश के लोगों की वेक्सीन विदेशो में भेज दी, कहाँ गई उन नीति निर्धारकों की दूरदर्शिता ? अगर देश में जरूरत पड़ी तो क्या होगा... ? राजा की भक्ति में लीन होकर यह भूल गए कि अभी लड़ाई खत्म नहीं हुई है, दुश्मन फिर से हमला कर सकता है। पर ये सवाल पूछे भी तो कौन.. ? क्योंकि लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ तो भांड बन चुका है.. !!

पक्ष-विपक्ष के दो हिस्सों में अपने-अपने मालिक चुन चुका है, तो जिसका मालिक जितने ज्यादा विज्ञापन रूपी डफली बजाता है यह दरबारी की तरह अपना उतना ही राग अलापते है। विश्व के इतिहास में भारतीय लोकतन्त्र के चौथे स्तम्भ का इतना पतन कभी नही हुआ था। सभी तरह के मीडिया सिर्फ पैसा कमाने वाली कम्पनियां बन चुके है जिनका एक ही उदेश्य है 'अपना निजी स्वार्थ और लाभ-लाभ और लाभ।'

कैसे विचित्र है हमारे राजनेता और उनकी राजनीति ? जो सिर्फ सत्ता की लोलुपता में अंधी हो चुकी है जिसके चलते एक तरफ तो सारे रोजगार, कारोबार, दुकाने, बाजार, आवागमन के

राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता

पाली के एम एस कंवर इन्टरनेशनल स्कूल मैदान पर दिनांक 24-25 मार्च, 2021 को आयोजित आयोजित राज्य स्तरीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में जोबनेर के चार तीरंदाजों का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ। जोबनेर के तीरंदाजों ने रिकर्व राउण्ड के 14 वर्ष आयुवर्ग में खेड़ीराम निवासी, खुशी कुमावत पुत्री सांवरमल कुमावत ने स्वर्ण पदक, फुलेरा निवासी आरोही कुमावत पुत्री दिनेश कुमावत ने रजत पदक , रिकर्व राउण्ड 9 वर्ष

आयुवर्ग में जोबनेर निवासी विवेक कुमावत पुत्र रतन लाल कुमावत ने स्वर्ण पदक व हितांशी कुमावत पुत्री गोवर्धन कुमावत ने रजत पदक जीतकर क्षेत्र व समाज का नाम रोशन किया है।

इन सभी विजेता खिलाड़ियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई व उज्ज्वल भविष्य की कामना।

बरखा व प्रज्ञा को पदक

9वीं नेशनल हापकीड़ो चेम्पियनशिप, दिल्ली में इंदौर की **बरखा कुमावत** ने 55 किग्रा समूह में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। **प्रज्ञा कुमावत,** इंदौर ने भी अपने वर्ग में कांस्य पदक जीता। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से दोनों खिलाड़ियों को बधाई।

हनी कुमावत ने तीरंदाजी में ब्रॉन्ज मैडल जीता

हनी कुमावत ने **राज्य स्तरीय आरचेरी प्रतियोगिता,** पाली में ब्रॉन्ज मेडल जीता। आप वेटलिफ्टर पवन कुमावत, लालचन्दपुरा, जयपुर के पुत्र हैं। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हनी कुमावत को बहुत बहुत बधाई।

अनुराधा कुमावत ने जूनियर राष्ट्रीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 4 गोल्ड मैडल जीते

जूनियर राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता, गाजीपुर,उ.प्र. में 17-22 मार्च को सम्पन्न हुई। इसमें अमरसर की अनुराधा कुमावत ने 43 किग्रा वर्ग में 4 गोल्ड मैडल जीत कर कुमावत समाज को गौरवान्वित किया है। अनुराधा ने पहले अलवर में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान अर्जित किया था। अनुराधा कुमावत को 4 गोल्ड मैडल जीतने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई।

जयश्री व युक्तिका ने गोल्ड मैडल जीता

समाज की बेटियों ने **ओपन नेशनल ताईक्वांडो प्रतियोगिता** में गोल्ड मेडल जीतकर समाज का नाम रोशन किया है। **जयश्री** पुत्री श्री कन्हैयालाल मारवाल **युक्तिका** पुत्री श्री प्रहलाद मारवाल दोनों बहिनें हैं। इन बहनों ने कई मेडल जीते हैं। ये बेटियां समाज व परिवार का गौरव रही हैं। ये बेटियां सुबह 4 बजे तैयार होकर अपने लक्ष्य के लिये तैयार होती है ओर सफलता के कदम दर कदम आगे बढ़ रही हैं। समाज की बेटियां इनसे प्रेरणा लें।

जयश्री व युक्तिका को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई व उज्ज्वल भविष्य की कामना।

सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने का अनुकरणीय उदाहरण

श्री सीताराम कुमावत (मारवाल) पुत्र स्व. श्री भीवांराम मारवाल (ठेकेदार जी), मूल निवासी श्याम नगर, कचरोदा एवं वर्तमान निवासी 70, जगदम्बा कॉलोनी, फुलेरा ने समाज में चली आ रही लग्न-टीका एवं दहेज की कुप्रथा को समाप्त करने की मंशा से 7 मार्च, 2021 को उनके पुत्र मनोज की शादी में दिया गया लग्न-टीका एवं दहेज स्वरूप दी गई रु 5,00,000 को विनम्र भाव से लौटाते हुए मात्र एक रुपया व नारियल स्वीकार किया।

श्री सीताराम कुमावत (मारवाल) सितम्बर, 2016 में बैंक ऑफ बड़ौदा से वरिष्ठ शाखा प्रबंधक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। आपके दो पुत्रियां व दो पुत्र हैं 1. श्रीमती रेखा कुमावत (विवाहित) करूर वैश्य बैंक जयपुर में कार्यरत 2. डॉ. सुनील कुमावत (विवाहित) जो चर्म रोग विशेषज्ञ है व स्वयं का चर्म रोग क्लिनिक, निर्माण नगर, जयपुर व फुलेरा में है 3. श्रीमती सीमा कुमावत (विवाहित) एच.सी.एल. कम्पनी में टीम लीडर है 4. डॉ. मनोज कुमावत (असिस्टेंट कमांडेंट मेडिकल ऑफिसर, बी.एस.एफ.) की शादी 15 मार्च, 2021 को प्रियंका कुमावत आर.पी.एस. पुत्री श्री राजेन्द्र कुसुम्बीवाल, निवासी कुचामनसिटी के साथ सम्पन्न हुई है।

आपने पत्रिका के सशक्त माध्यम से समाज बंधुओं से अपील की है कि इस प्रकार कुप्रथाओं को समाप्त कर समाज को शिक्षित एवं अग्रणी बनावें। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका श्री सीताराम कुमावत के इन समाज सुधारक कदमों की सराहना करती है।

दहेज नहीं लेकर व्याख्याता बेटे की शादी की

भारतीय सेना के पूर्व सैनिक श्री रामलाल रत्तिवाल निवासी सिद्धमुख, जिला चूरू ने अपने इकलौते पुद्ध रामनिवास (व्याख्याता) की शादी में मात्र 1 रुपया व नारियल लेकर यह सिद्ध कर दिया कि एक सैनिक ना केवल देश की सीमा पर ही लड़ सकता है बल्कि समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ भी लड़ सकता है। पूर्व सैनिक रत्तिलाल ने अपने समधी श्री मेहरचन्द घोड़ेला निवासी हनुमानगढ़ टाउन से उनकी पुत्री अनिता की शादी में दहेज में नकदी के साथ घरेलू आवश्यकताओं के दिए जाने वाले सामान तथा ज्वैलरी आदि लेने से आदरपूर्वक मना कर दिया। इसी प्रकार उन्होंने ननिहाल पक्ष से आने वाले भात को भी नहीं लिया।

श्री रामलाल रत्तिवाल पूर्व सैनिक का यह कदम समाज के लिए प्रेरणादायक है जो दहेज व भात की कुरीति को समाज से मिटाये जाने की पहल मानी जा सकती है।

महेंद्र कुमावत राजकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया सुधारीकरण समिति के अध्यक्ष नियुक्त

'राजकीय पदों हेतु की जाने वाली भर्तियों को समयबद्ध एवम भर्ती प्रक्रिया के सुदृढ़ीकरण के लिए अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समिति' का श्री महेंद्र जी कुमावत को अध्यक्ष बनाया गया है जो 1 माह में अध्ययन कर सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी। श्री कुमावत ने इसकी प्रथम बैठक 13 अप्रेल को रखी। आप IPS अधिकारी रहे है। आपकी सेवाओं को मध्यनजर रखते हुए BSF के महानिदेशक, राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा राजस्थान पुलिस यूनिवर्सिटी का कुलपति बनाया गया था।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से श्री महेंद्र कुमावत को बधाई।

ओमप्रकाश जी कण्डेरीवाल 'वाचस्पति' सम्मानित

कुमावत क्षत्रिय समाज के इतिहासकार, वास्तुशास्त्रज्ञ व वरिष्ठ समाजसेवी आदरणीय श्री ओमप्रकाश जी कण्डेरीवाल विद्यावाचस्पति को सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के चतुर्थ स्थापना दिवस 4 अप्रैल को सम्मान-पत्र भेटकर बालनिवास, जयपुर में सम्मानित किया गया।

श्री कण्डेरीवाल द्वारा समाज को दी गयी सेवाओं से कुमावत समाज निश्चित ही गौरान्वित हुआ हैं। आदरणीय श्री ओम प्रकाश कण्डेरीवाल 'वाचस्पति' को इस सम्मान के लिए '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

टीम चेतन धुंधारिया ने मनाया स्थापना दिवस, सदस्यों का किया सम्मान

टीम चेतन धुंधारिया का स्थापना दिवस 13 अप्रैल 2021 को टीम कार्यालय निर्माण नगर, जयपुर में मनाया गया। टीम चेतन धुंधारिया का गठन कोविड-19 वैश्विक महामारी के समय जब सम्पूर्ण देश में लॉकडाउन लगा हुआ था की विषम परिस्थितियों में हुआ, तब से आज तक टीम अनवरत कार्य कर रही है।

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने बताया कि कोराना गाइडलाईन के कारण कार्यक्रम संक्षिप्त रूप में मनाया गया। टीम के संस्थापक चेतन धुंधारिया ने दीप प्रज्जलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की, टीम के सदस्यों को तिलक लगाकर व माला पहनाकर स्वागत किया, चेतन धुंधारिया द्वारा केक काटकर टीम के सदस्यों का मुँह मीठा करवाया गया। वहीं टीम के सदस्यों द्वारा चेतन धुंधारिया को माला व साफा पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। **कुमावत इंडिया पत्रिका की सह सम्पादक श्रीमती भारती तोंदवाल का भी इस अवसर पर सम्मान किया गया।** इसके बाद सुन्दरकांड के पाठ करवाये गये।

गुडीवाल ने सभी पत्र-पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, सोशल मीडिया को धन्यवाद देते हुए कहा कि ''मैं आप सभी को हृदय की गहराईयों से धन्यवाद देता हूँ, आपने टीम की खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित कर लोगों तक पहुँचाया।

फोर्टनाईट कलेक्शन दैनिक समाचार पत्र (प्रकाशक सी.एम. मारोठिया) द्वारा विशेषांक भी निकाला गया। जिसमें श्यामप्रताप सिंह राठौड़, सरपंच ग्राम जाहोता ने लिखा कि ''समाजसेवा के लिए गाँवों को कार्यक्षेत्र चुनना, बालिका शिक्षा, महिला उत्थान, प्रतिभाओं के सम्मान, भजन संध्या, वृक्षारोपण और भी अनेक सामाजिक सरोकार के कार्यो को अपनाना टीम के संस्थापक चेतन धुंधारिया के उच्च विचारों और इन वर्गों के प्रति पीड़ा को दर्शाता है। एक वर्ष की अल्पअवधि में टीम की विशिष्ट पहचान स्थापित होना टीम के सभी सदस्यों की समर्पित भावना तथा नेतृत्व की कुशलता का परिणाम है। प्रसिद्ध साहित्यकार, रचनाकार और कवि प्रहलाद कुमावत 'चंचल' ने लिखा कि **वृक्ष कबहुँ न फल भखे, नदी न संचै नीर, परमारथ के कारणे, साधुन न धरा शरीर।** मानवता के इसी परमार्थी तत्व को धारण कर टीम चेतन धुंधारिया द्वारा वैश्विक आपदा कोरोनाकाल में अपनी जान की परवाह किये बगैर जनसेवा के पवित्र उद्देश्य को लेकर टीम चेतन धुंधारिया की स्थापना कर सम्पूर्ण लॉकडाउन अवधि के दौरान जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट्स, राशन सामग्री, मास्क, सेनेटाइजर वितरण जैसे पुनीत कार्यों को अंजाम दिया।

शेष अगले पृष्ठ 27 पर ...

टीम चेतन धुंधारिया ने दिल्ली में सांसद दिनेश भाई अनावड़िया के सम्मान समारोह में शिरकत की

टीम चेतन धुंधारिया ने दिल्ली में श्री दिनेश भाई अनावड़िया निवासी डीसा को राज्यसभा सांसद बनाए जाने पर श्री चांदमल कुमावत द्वारा आयोजित सम्मान समारोह, नई दिल्ली में भाग लिया। कार्यक्रम में टीम चेतन धुंधारिया का भव्य स्वागत किया गया तथा टीम द्वारा पिछले एक वर्ष में किए गए सामाजिक कार्यों पर चर्चा की।

सम्मान समारोह का आयोजन नई दिल्ली के गुजरात भवन में किया गया कार्यक्रम में टीम चेतन धुंधारिया द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से सभी को अवगत कराया गया। श्री दिनेश भाई अनाड़िया ने भी टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

विवाह के बारे में श्रीमती राजबाला बरथल्या के विचार

'शादी के बायोडाटा समूह' में उन्हीं लड़के-लड़कियों का बायोडाटा डाला जाए जो ना तो दहेज ले और ना ही दहेज दे। लोग शादी संबंध तो कर देते हैं व लोगों को दिखाने के लिए दहेज देते है कि लोग क्या कहेंगे। लेकिन इसी दहेज के कारण कुछ लड़के वाले और अधिक लालची हो जाते हैं और वधु को परेशान करने लगते हैं। गलती वधु के माता-पिता की है जो लोगों के दिखावे के लिए और अपनी बेटी की मोह-माया में अंधे होकर दहेज को बढ़ावा दे रहे हैं। यह सोचते हुए कि उनकी बेटी ससुराल में खुश रहेगी और उसके ससुराल वाले कुछ नहीं कहेंगे। मेरा सुझाव है कि 1 रु. तथा नारियल के शगुन करके शादी करें ना कि लोगों को दिखाने के कारण हजारों रुपए खर्च करें।

मेरा मानना है कि बेटी को देना ही चाहते हैं तो कम से कम 1 वर्ष तक बिना दहेज के रहने दे। ताकि वहां पर वह स्वयं संभल सके और सब कुछ जान सके तथा अपना घर परिवार बसा सके। बेटी खुद सक्षम है, वह अपने माता-पिता को बार-बार फोन करके ना बताएं कि उसे क्या परेशानी आ रही है। वह ससुराल में 1 वर्ष तक अपने आप को संभाले तथा कभी भी पिहर जाने की बात ना सोचे। यह मेरा विचार है, ठीक लगे तो अवश्य माने ताकि टूटते परिवारों को बचा सके।

मेरा मुख्य उद्देश्य बच्चों का घर बसाना है तोड़ना नहीं है। इसीलिए सोच समझकर व पूरी जानकारी करके विवाह संबंध करें। जब बेटी को ससुराल में परेशानी होती है तब वह लोग मदद के लिए क्यों नहीं आते जिसके कारण से दिखावे में इतना खर्च किया जाता है ? टूटते परिवार को बचाने के लिए समाज के लोगों को आगे आना चाहिए। एक तो समाज में बेटियों की कमी है दूसरे संबंध होने के बाद में परिवार टूट रहे हैं। क्या गारंटी है कि तलाकशुदा लड़की दूसरे विवाह से खुश रह पायेगी ? पहला विवाह सही नहीं होता तो दूसरा सही कैसे हो सकता है ? ऐसा मेरा सोचना है।

कृपया लेन-देन व छोटी-छोटी बातों को लेकर टूटते परिवार को बचाना है तो **फिजूलखर्ची, दिखावा, आटा-साटा जैसी कुरीतियों/आडंबरों को जड़ से समाप्त किया जाए** तभी समाज में बच्चों का घर सही से बस सकता है।

- राजबाला बिर्थला कुमावत समाज सेविका, जयपुर।
मो.7976475370

घोड़ी पर बैठाकर बेटी की निकाली बिंदोरी

सिंधमुख में बेटी सुनीता को घड़ी पर बैठा कर बिंदोरी निकाली गई। इस अवसर पर लड़की के पिता रामलाल फौजी रत्तेवाल ने बताया कि **बेटा व बेटी को एक समान** मानते हुए मेरी बेटी सुनीता की घोड़ी पर बिठाकर बिंदोरी निकाली गई। उन्होंने बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ की लोगों को प्रेरणा दी। इस अवसर पर फौजी ने कहा कि लड़का लड़की में कोई अंतर नहीं होता है, जिसने रामचंद्र रत्तेवाल, रामकिशन रत्तेवाल, रामकरण,बजरंग, महेन्द्र, माहर लक्ष्मण, सुभाष, रामसुख, रामनिवास सिद्धमुख गांव के सरपंच महावीर जांगिड, हनुमान ठेकेदार व सोनू भाटी अन्य ग्रामीण लोग मौजूद रहे। बेटी की बिंदोरी का जगह-जगह मोहल्ले वासियों ने स्वागत किया।

नवसंवत्सर पर रंगोली व दीप प्रज्ज्वलन प्रतियोगिता

विक्रम संवत 2078 की प्रतिपदा के अवसर पर भारत विकास परिषद, अजमेर ने नवसंवत्सर पर रंगोली व दीप प्रज्ज्वलन प्रतियोगिता का आयोजन किया। निर्णायक मंडल के अनुसार ऑनलाइन प्रतियोगिता में भारती कुमावत रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम व दीप प्रज्ज्वलन में द्वितीय स्थान पर रही।

संसाधनों को बंद कर दिया है तथा लोगों को घर बैठने पर मजबूर कर दिया है, वहीं दूसरी तरफ आस्था के नाम पर कुंभ स्नान में कोरोना को स्वागत के लिए छोड़ दिया है..!!

हमारे पंत प्रधान 'मन की बात' परीक्षा की करते है और देखिए परीक्षा स्थगित कर दी गई है। अर्थात लाखों विद्यार्थियों के भावी जीवन से खिलवाड़ कर दिया गया है।

लोगों को मास्क न पहनने पर चालान और दो गज की दूरी का ज्ञान दे रहे है और 5 राज्यों के चुनावों में न पंत-प्रधान और न उनके सिपहैसालार मास्क पहनने का कष्ट कर रहे है और दो गज की दूरी का सार्वजनिक मजाक उनके विशाल रोड शो में साफ नजर आ रहे है। विडम्बना यह है कि विपक्ष के पास भी न आदर्श है न सवाल, इनका हनन तो सत्ता पक्ष से भी ज्यादा गहरा है। क्योंकि न ही इनकी कोई विश्वसनीयता रहीं है और न ही जमींन से जुड़ाव , इन्हें संघर्ष न करके रेडीमेड में प्रशांत किशोर जैसे लोगो की मार्केटिंग चाहिए। सत्ता पाने के लिये यह दोहरा मजाक चल रहा है **'हम आम जनता के साथ।'**

परन्तु कहते है कि **'अपना ही सिक्का खोटा हो तो क्या करे,'** जब कोरोना एक काल के रूप में हमारे सिर पर बैठा हुआ है तब भी हमने ना मास्क को तरजीह दी और ना दे रहे है और न ही वेक्सीन को, खासकर **युवा वर्ग उन्हें लगता है कि उनकी इम्यूनिटी स्ट्रॉग है तो उन्हें तो कुछ नही होगा। परन्तु वो यह भूल रहे है कि उन्ही के घर में जो बच्चे और बुजुर्ग है उनका क्या होगा... ?**

आदिकाल की कहावत इस वर्तमान समय में सत्य हो रही है कि **'यथा राजा तथा प्रजा'** (जैसा राजा वैसी प्रजा) किंतु हम भूल रहे है कि राजा के पास सब सुख सुविधाओं की लाइन लगी होती है, अगर अब भी नही सम्हले तो प्रजा के हाथ में सिर्फ मातम लिखा होगा।

इस समय की स्थिति तो एक भयावहता ही उजागर कर रही है। अत: इस विकट परिस्थिति में हम स्वंय अपना संयम रखते हुए ईश्वर से प्रार्थना ही कर सकते है कि इस मुसीबत से हमें मुक्ति प्रदान करें क्योंकि शासन और प्रशासन ने तो हमें भगवान भरोसे छोड़ ही दिया है। नमस्कार , **अपना और अपने परिवार का ख्याल रखे।**

-मुकेश कुमावत

सावों की धूम और कोरोना

आने वाले चंद दिनों में कई जोड़े परिणय बंधन में बंधने वाले हैं अर्थात अप्रेल व मई में जमकर शादियों का सीजन है। इनमें कई तिथियों पर तो अबूझ सावे हैं।

विगत दिनों में स्वास्थ्य की दृष्टि से कोरोना का प्रभाव काफी कम दिखाई दे रहा था और सरकार की तरफ से कोरोना गाइडलाईन में भी काफी नरमी बरती जा रही थी। किंतु अचानक आई कोरोना मरीजों की बाढ़ ने सरकार व प्रशासन को सकते में ला दिया है, इसके लिए दोषी सरकार, प्रशासन व जनता तीनों है। क्योंकि कई चुनाव प्रचारों, रैलियों, सरकारी कार्यक्रमों, आंदोलनों व धरनों में जमकर लोगों की भीड़ इकट्ठी की गई। जहाँ मास्क नदारद था तो सोशल डिस्टेंसिंग की भी जमकर धज्जियां उड़ी। हरिद्वार में चलने वाला कुंभ भी बड़े जनसैलाब का जीता-जागता उदाहरण है। इन सबके चलते आम जनता का जो हश्र हुआ है व कोरोना की दूसरी व डरावनी लहर के रूप में सबके सामने है। कोरोना वेक्सीन भी आयी, पहले तो डर से लोगों ने इसे नहीं लगवाया फिर इसकी कमी तथा कोरोना संबंधी दवाइयों की कमी ने रही-सही कसर पूरी कर दी। अस्पतालों में मरीजों की भरमार तथा मौतों को श्मशान में देखकर भय की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

अब सरकार भी चेती है और चल पड़ा है लॉकडाउन, कर्फ्यू, कंटेनमेंट जोन का सिलसिला तथा बड़ी कड़ाई से जारी सरकारी गाइडलाईन। जिसकी पालना भी बड़ी सख्ती से की जानी है क्योंकि सरकार को भी अपनी साख बचानी है और इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा बेचारी आम जनता को।

आजकल कोई सा भी शहर हो, शादी-ब्याह के बड़े आयोजन हेतु महीनों पहले महंगे गार्डन केटरिंग, डेकोरेशन, बैंड, घोड़ी, राशन जैसी कई चीजें एडवांस देकर बुक करवानी पड़ती है। कोरोनो के कम पड़े असर के दौरान लोगों ने शादी विवाह करने का कदम उठा लिया तथा एडवांस बुकिंग भी करा दी। जिन्हें अब गम्भीरता से सोचना पड़ रहा है कि क्या करें। वर्तमान परिस्थितियों में तो आने वाले अतिथियों की फेहरिस्त बनाना ही **टेड़ी खीर** है।

ये परेशानियाँ आम लोगों के लिए बड़ी समस्या बनकर खड़ी हो गई है। शादी हेतु वर्णित खर्चों के लिए हजारों लोगों का आय का साधन जुड़ा हुआ है। एडंवास दी गई राशि को वापिस प्राप्त करना लगभग असंभव है वहीं शादी से जुड़े कारोबारियों को भी हानि होना स्वभाविक है। किंतु लगातार दो-चार महीनों तक चलने वाले सावों को भी टाला नहीं जा सकता। क्योंकि कोरोना महामारी के बारे में कोई सटीक टिप्पणी नहीं की जा सकती। अत: आम जनता बेचारी इन सावों की धूम में कोरोना बीमारी व सरकारी गाइडलाईन के **दो पाटों में** बुरी तरह पिसती नजर आ रही है। **शादियां भी हो और कोरोना गाइडलाईन का पालन हो यह सुनिश्चित करें, यही उचित है।**

''एक सफल व्यक्ति और असफल व्यक्ति में साहस का या फिर ज्ञान का अंतर नहीं होता है बल्कि यदि अंतर होता है तो वह इच्छाशक्ति का होता है।''

- विसेंट जे. लोम्बार्डी

अध्ययन-हास्य-अध्यापन

वर्तमान में 'हास्य' बिना अध्ययन-अध्यापन कराया जा रहा है जैसे बिना नमक के पाँच पकवान खिलाये जा रहे हों। इसके परिणाम स्वरूप बालक-बालिकाएं तनावग्रस्त, हास्य सभी रोगों की अचूक व रामबाण दवा है। क्योंकि हास्य कोई दवा नहीं है पर इसमें अनेक उपचार छिपे हैं। बिना हास्य के जीवन की मधुरता-मिठास-धैर्य-सहनशीलता-सदाचार-प्रेम-वात्सल्य-समरसता आदि तेजी से समाप्त होते जा रहे हैं और भावी पीढ़ी 'रोबोट' बनती जा रही है।

हँसना हर मर्ज की दवा है। जो हँसना भूल गया वह कई रोगों का शिकार हो जाता है।

हास्य से हँसी कुदरत की देन है,इसमें हमें कंजूसी नहीं बरतनी चाहिए। हास्य का हँसना एक ऐसा संवेग एवं सत्य है जिसे इंसान ने जीवन प्रारम्भ करने के बाद (पैदा तो वह रोते हुए होता है) सर्व प्रथम एहसास किया, प्रकट किया-या तो मुस्कराकर-या खिलखिलाकर या किलकारी मारकर। संवेग यथा डर, क्रोध, पर,अच्छा-बुरा-तनाव आदि बाद के हैं। इस प्रथम अहसास व प्रकटीकरण को ही आज का मानव समाज भूलता जा रहा है। वह न ठीक से रो रहा है न हँस ही रहा है।

विद्यालय जाने से पूर्व बालक दिन में 300-400 बार हँसते हैं, क्योंकि वे निर्विकार होते हैं, वे किसी के भी प्रति बुरा भाव नहीं रखते हैं। परन्तु ज्यों-ज्यों विद्यालय का वातावरण का उन पर प्रभाव पड़ना प्रारम्भ होता है वह धीरे-धीरे हँसना-मुस्कराना भूलता चला जाता है। विद्यालय प्रबन्धन भी इस पर बिलकुल भी ध्यान नही दे रहा है।

हास्य से स्वास्थ्य लाभ

हास्य एक नैसर्गिक अभिव्यक्ति है जो हमारी खुशी और प्रसन्नता प्रकट करती है। हास्य परिहास हमारे जीवन के मधुर क्षणों से जुड़े होते है और आपसी रिश्तों को बनाने और सबल करने में सहायक होते है। हँसने के बीच-बीच में हम अगर संवाद भी करते है तो हँसी दुगुनी हो जाती है।

हास्य की प्रक्रिया में चेहरे की तकरीबन 45 मांसपेशियां संकुचित होती है इस शास्त्र को 'जेलॉटोलॉजी' कहते है। मन जब तनावग्रस्त होता है तब शरीर में लय का ग्रन्थि एवं एड्रिनल ग्रन्थि से हार्मोन्स स्त्रवित होते है, यह हार्मोन्स शरीर पर विपरित परिणाम डालते है व हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) क्षतिग्रस्त होता है। रक्त में प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ती है जिसके कारण रक्त वाहिनियाँ अवरुद्द होने से रक्त चाप बढ़ता है। **हास्य** इस प्रक्रिया को रोकता है और इस हार्मोन्स के स्त्राव पर नियंत्रण करता है इसलिये इससे होने वाली हानियों से हम बचे रहते है। हास्य के द्वारा हमारी मारक पेशियाँ (किलर सेल) बढ़ती है जो कि वायरस और ट्यूमर की कोशिकाओं को नष्ट करने में सहायक होती है। (कैंसर की स्थिति मे भी)।

इसी प्रकार गामा इन्टरफेरोन, टी सेल की संख्या में भी वृद्धि होती है तथा बीटा-सेल रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने वाले होते है।

जीवनरसायन शास्त्र के अनुसार हास्य की उपयोगिता इस प्रकार है-

यह **खर्राटों को कम करती** है क्योंकि इससे छाती एवं गले की मांसपेशियों को व्यायाम करने से लाभ मिलता है।

लिम्फोसाईट्स **(सफेद रक्त कोशिका)** तथा किलर सेल की संख्या को बढ़ाकर रोगों को प्रतिबंधित करता है। एन्डॉफिन नामक रसायन का शरीर में हास्य प्रक्रिया के दौरान निर्माण होता है जो कि नैसर्गिक दर्द निवारक का काम करता है।

हास्य को अपनाने से कई **असाध्य रोगों से मुक्ति** या आराम मिलता है।

विदेशों में कुछ चिकित्सक इस विषय पर अनुसंधान कर रहे हैं उदाहरणार्थ स्कूल ऑफ मेडिसिन स्टनफोर्ड युनिवर्सिटी यूएस.के डॉ. विलियम फ्राय का कहना है कि हास्य हृदयगति को सुचारू बनाता है एवं फेफड़ों द्वारा प्राण वायु का ज्यादा संवर्धन करता है, दिमाग को भी इससे अधिकाधिक ऊर्जा देकर तरोताजा करता है इससे शरीर की अतिरिक्त ऊर्जा केलॉरी का व्यय होता है, रोग प्रतिकारक शक्ति को बढ़ाता है एवं मानसिक तनाव को कम करता है।

मेरीलेण्ड विश्वविद्यालय बाल्टीमोर यू एस.के. के संशोधक समूह ने यह खोज निकाला है कि रक्त नलिका के एन्डोथिलियम नामक आंतरिक पर्त का प्रसारण हास्य से होता है, जिससे शरीर में रक्त प्रवाह बढ़ता है। मानसिक तनाव की स्थिति में इस पर्त (ब्लड वैसल) का आकुंचन (कांट्रिक्शन) होता है।

डिपार्टमेंट ऑफ प्रिवेन्टीव कार्डियोलॉजी ऑफ मेरिलेन्ड युनिर्वसिटी के डायरेक्टर डॉ. मिचेल मिलर कहते है कि हास्य से मानसिक तनाव दूर होता है जो कि रक्त नलिका के एन्डोथिलियम के लिये लाभदायक है। उनके अनुसार हर रोज तीस मिनट का हास्य योग बालक के लिये अत्यंत जरूरी है।

अमेरिका के ही डॉ. वर्क ने अपने शोध कार्य में पाया कि जो लोग हास्य विनोद के सीरियल देखते है उनमें बीटा-एन्डॉफिन की मात्रा बढ़ती है (एन्डॉफिन नैसर्गिक दर्द निवारक रसायन है जो मनुष्य के शरीर में उत्पन्न होता के शरीर में उत्पन्न होता है) तथा ग्रोथ हार्मोन्स में 87 प्रतिशत वृद्दि होती है यह अनुसंधान दर्शाता है कि हास्य पियूष ग्रन्थि को भी उत्तेजित करता है।

अर्थात हास्य शरीर के रोगों को दूर हटाता है। मानसिक रोगों को दूर करने में सहायक होता है। योग एव व्यायाम इत्यादि से आराम जरूर मिलता है लेकिन हास्य का महत्व सबसे ऊपर है क्योंकि यह मन और शरीर को संतुलित करने का कारगर और सहज, सुलभ किन्तु बेजोड़ उपाय जो शरीर एवं मन ज्ञानेन्द्रीयों के समस्त अवयवों को एक क्षण में झंकृत एवं सक्रिय कर देता है।

मानव की स्वाभावगत प्रवृतियों में एक बड़ी ही मोहक प्रवृति है, **हास्य विनोद** की। मनुष्य के जीवन में हास्य-विनोद ना हो तो जिन्दगी केवल कराहे का सिलसिला, आहों का जलजला, दर्द की दास्तान बनकर रह जाए। स्वास्थ्य का अनोखा मंत्र 'हास्य'- हास्य लाख दुखों की अचूक औषधि है। चिंताओं के पुलिंदे को थोड़ी देर के लिए अलग में हास्य करने में हास्य विनोद सक्षम है। कविता केवल हृदय का उदगार है, किन्तु हास्य रोम-रोम का उद्धार है।

विनोद एक प्रकार की पुस्टई है जिससे शरीर और मस्तिष्क को नई शक्ति मिलती है। थकी-तनी शिराओं में मकर-ध्वज की सी ऊष्मा आ जाती है। संतो ने भी कहा है **'यदि दुखों में भी सुख की अनुभूति चाहते हो तो हँसमुख बनो।'** वह मनुष्य बड़ा ही भाग्यशाली है जिसे विधाता के हास्य और विनोद का बहुमूल्य वरदान मिला हो। फोटोग्राफर फोटो खींचने के समय चाहता हैं कि आप एक क्षण के लिए मुस्काराएँ।

मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. एवं श्री इडियट्स में इस बात को हास्य-विनोद व्यंग के साथ मिले-जुले रूप में दर्शाया है।

जार्ज बर्नाड शाह ने कहा कि हँसी की पृष्ठभूमि पर ही जवानी के फूल खिलते है।

व्यैक्तिक जीवन की सफलता का रहस्य हंसमुखं स्वभाव का होना ही है। 'हरि ओम' का कहना है कि जो हँस सकता है वह मित्र बनाने योग्य है। हंसना एक नियामत है और इससे जो वंचित है वह दया का पात्र है। छोटी-छोटी बातों को प्रतिष्ठा और सम्मान का प्रश्न बनाने वाला कभी नही हंसता और उसका जीवन निराशा से भरा होता है। इसलिए मेरे भाई-बहनों आपस में मुस्कराते हुए मिलो। अध्ययन-अध्यापन के मध्य हास्य का पूर्ण उपयोग करें और बालकों को रोबोट बनने से बचाएं। - हरि ओम

छात्रावास भूमि मदनगंज किशनगढ़ में अलॉट हुई पर... ?

पंजीकृत संस्था कुमावत नवयुवक मंडल, मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर की टीम ने समाज का साथ लेते हुए छात्रावास की भूमि अलॉट कराने के लिये करीब एक साल तक भागदौड़ की। उसके बाद भी जमीन अलॉट नहीं हुई तो अन्य समाजों से संपर्क किया वे भी उनमें से 3-4 समाज तो 10-11 सालों से जमीन आवंटन का प्रयास कर रहे थे। श्री नंद किशोर पारमवाल, श्री हेमचंद देवतवाल एवं प्रभुदयाल तुंगरिया की टीम ने संपर्क करके चर्चा की। सभी से एकता का आह्वान किया व आगे विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव का हवाला देते हुए बताया गया कि चुनाव की वजह से 14 समाजों को नाराज नहीं करेंगे तथा भूमि आवंटित कर देंगे। कुमावत समाज ने -- कुमावत पंचायत भवन में बुलाकर -- एक संगठन बनाने का प्रस्ताव रखा, आगामी मीटिंग्स में सभी 14 समाजों में सहमति बनी। सभी ने कुमावत समाज के प्रयासों की तारीफ की ओर कहा कि कुमावत समाज जितना जागरूक समाज आज कोई नहीं है, इसमें महिला मंडल के कार्यो की भी प्रशंसा की गई। संगठन का नाम सुझाने की बात आई तो श्री नंदकिशोर पारमवाल ने 'सर्वसमाज संघर्ष समिति' नाम सुझाया जिस पर सभी की सहमति बनी। फिर चर्चा हुई कि इस संगठन का मुखिया किसे बनाया जाए तो एक समाजबन्धु ने कुमावत समाज का नाम रखा। बन्धुओं यह सुनकर सीना चौड़ा हो गया व रोम-रोम खड़ा हो गया आँखे नम हो गई और सभी ने एक स्वर में कुमावत समाज की ओर से मुझे कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी। बन्धुओं, तब कुमावत समाज का नाक का सवाल हो गया था। 14 समाजों को भूमि आवंटन की जिम्मेदारी के लिये टीम बनाकर सभी का साथ सभी का विकास की तर्ज पर कार्य चालू हुआ, रात-दिन एक करते हुए DLB जयपुर, अजमेर, MLA साहब तथा नगर परिषद के काफी चक्कर लगाए, आखिर सफलता मिली।

पूरे राजस्थान में जमीन आवंटन की 80 फाइलें लगी हुई थी इनमें से सिर्फ मदनगंज की 14 फाइलें ही पास हुईं। यह किसी चमत्कार से कम नही था। करोड़ो की भूमि समाज को कुछ लाख रुपयों में आवंटित हुई थी। फिर कार्यकर्ताओं की टीम ने घर-घर जाकर समाज से सहयोग लिया गया, समाज बन्धुओं ने भी बढ़चढ़ कर सहयोग दिया, हम लक्ष्य तक पहुंचने ही वाले थे। शिक्षा का मंदिर बनता हुआ दिख रहा था। तब तक मेरा कार्यकाल लगभग पूरा हो गया था। समाज की मीटिंग बुलाई गई सहमति बनी कि भूमि आवंटन संबंधी समस्त कार्यवाही के बाद ही चुनाव कराये जाए।

किंतु कुछ बन्धुओं ने एकदम समाज की पंजीयन संस्था में- काफी समझाईश के बाद भी--अवैधानिक रूप से चुनाव करवा दिए। इससे समाज को अंधकार ही मिला। उस जमीन को अंधकार में पटक दिया गया। अवैधानिक चुनाव ने समाज को 50 साल पीछे कर दिया क्या सरकार से समाज को भूमि आवंटन कराना कोई हंसी-मजाक का काम था ?

ऐसे ही पंजीयन संस्था का मजाक बनता रहा तो वो दिन दूर नही जब समाज की स्थिति 'जस की तस' बनी रहेगी। समाज के शिक्षा के मंदिरों को ऐसे ही तहस नहस किया तो हमारी आने वाली पीढियाँ अन्य समाजों से पीछे रह जाएगी। आज सुनने में आ रहा है की किशनगढ़ परिक्षेत्र के नाम से भूमि क्यों नहीं ली। बन्धुओं इस हेतु पंजीकृत संस्था होनी आवश्यक शर्त होती है। जबकि परिक्षेत्र की कोई भी संस्था पंजीकृत नही थी। बन्धुओं, समाज को बार-बार भ्रमित किया जाता रहा है, कार्यकर्ताओ को डराया जाता रहा, कार्य करने वालों की कद्र नहीं होती फिर अच्छे लोग आगे कैसे आएंगे!

माली समाज को सांसद कोटे से 10 लाख रु. व MLA कोटे से 5 लाख रु. की सहमति हो चुकी है जबकि रु 15 लाख की जमीन है। समाज को भी यह करीब करीब फ्री मिल सकती थी अर्थात् यह लाभ कुमावत समाज भी ले सकता था। पर शर्म आती है आगे रह कर अन्य समाजों को जमीन आवंटन करवाने वाले कुमावत समाज की आवंटित भूमि, समाज के कुछ लोगों के कारण हमारा समाज गवां बैठा है। इस पर सभी को विचार करने की आवश्यकता है।

-प्रभुदयाल तुंगरिया, नि. मदनगंज किशनगढ़,
व्यवस्थापक, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

मोबाइल का हमारे जीवन पर प्रभाव

यदि हम वर्तमान जीवन शैली के सन्दर्भ में विचार करें तो निश्चित रूप से सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपकरण का नाम हमारे जेहन में उभर कर आता है, और वह है 'मोबाइल फोन'। जी हां, यह तो सर्वविदित है कि आज के युग में मोबाइल फोन हमारे लिए बहुत अधिक उपयोगी तथा आवश्यक है परन्तु क्या आपको यह ज्ञात है कि मोबाइल फोन का अत्यधिक प्रयोग मानव शरीर के लिए उतना ही घातक है जितना कि शराब और सिगरेट का सेवन है और जहां तक मेरा मानना है कि आज हम ज्ञान,उपयोग और मनोरंजन के भ्रम में पड़कर दरअसल एक घातक बीमारी के जाल में फंस चुके हैं और **यह तर्क सरासर बेबुनियाद है कि आज मोबाइल फोन जीवन का अनिवार्य अंग है।** दरअसल इसके कुछ ही फीचर्स ऐसे होते हैं जो कि हमारे लिए उपयोगी हैं तथा उनका उपयोग भी हम कुछेक मिनटों में ही कर लेते हैं। अधिकांश फीचर्स तो हम अनावश्यक ही उपयोग में लेते हैं। हम में से अधिकांश लोग सुबह सवेरे नींद खुलते ही मोबाइल ऑन करके बैठ जाते हैं। कुछ लोगों को गुड मार्निंग मैसेज भेते हैं। इनमें से कितने लोगों के जवाब आपके पास लौटकर आते हैं, इसका जवाब आप खुद को दीजिए। दरअसल आपके सुप्रभात संदेश की उन्हें कोई जरूरत ही नहीं है। बजाए इसके आप सुबह उठकर अपने परिवार के बुजुर्गों के पास बैठिए या बच्चों के साथ बात करिए या पक्षियों को दाना डालिए या व्यायाम/योगा करें या बगीचे में घूमने जाइये। फिर देखिए दिन की शुरुआत व आपका दिन कितना खुशनुमा लगता है। दिन भर कोशिश कीजिए कि फेसबुक, व्हाट्सअप, इन्स्टाग्राम, यूट्यूब कम से कम खोले ये सब आपके अमूल्य समय को खाने वाली **दीमकें** हैं। मोबाइल पर गेम खेलना भी एक बहुत बड़ा नशा है। जो इसका आदी हो जाता है वह व्यक्ति दिल, दिमाग ओर आत्म शक्ति से बिल्कुल खोखला होता चला जाता है। यह महाज्ञान के इस स्रोत ने हमारे जीवन को एक अनजानी की ओर राह में मोड़ दिया है। इसने परिवारजन, माता-पिता, संतान, पति, पत्नी, भाई, बहन से व्यक्ति को विमुख कर दिया है। यह कहते हुए बहुत दु:ख होता है कि इसने स्वयं भी विरक्त कर दिया है। मोबाइल गेम के जाल में फंसकर कितने ही लोगों ने अपना अमूल्य जीवन समाप्त कर दिया।

आज के युवा मोबाइल फोन के मोह में इस कदर खो चुके हैं कि उन्हें अहसास ही नहीं रहा कि उनके जीवन में उनके इर्द-गिर्द कुछ ऐसे लोग भी हैं जो उनसे कुछ समय देने की अपेक्षा और उम्मीद की आस में ही जी रहे हैं। मगर अब ऐसा लगता है कि परिवारों और कुटुम्ब की किसी को जरूरत नहीं। एक स्मार्ट फोन ही सारी आवश्यकताओं को पूर्ण कर रहा है। इसी पर रिश्ते बनते हैं और इसी पर टूट कर समाप्त हो जाते हैं।

मोबाइल फोन ने हमारे समाज तथा सभ्यता पर बहुत ही नकारात्मक प्रभाव डाला है। आज समाज में जितने अपराध व हिंसा बढ़े है उसमें सर्वाधिक जिम्मेदार मोबाइल है। इसके द्वारा सोशल मीडिया समाज की युवा पीढ़ी को गलत शिक्षा तथा मनोरंजन के नाम पर घटिया संदेशों के रूप में आपराधिक सामग्री परोसी जा रही है जो युवाओं में व्यभिचार तथा कुसंगति से पूर्ण मानसिकता को पनपने में अहम् भूमिका निभा रही है। छोटे बच्चों की आँखों के कमजोर होने के अलावा आँखों में टेढ़ापन एवं भेंगापन आगे जैसी समस्याएं निरन्तर बढ़ रही हैं। ऑन लाईन पढ़ाई से जितना अधिक फायदा मिला है उससे कही अधिक बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा है। आज से चार-पांच वर्ष पश्चात् इसके बहुत ही भयावह परिणाम हमारे सम्मुख आने वाले हैं। इसका अंदाज आप और हम स्वप्न में नहीं लगा सकते हैं।

संक्षेप में इतना ही कहना चाहती हूँ कि **मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग से अपने शरीर की नष्ट होती सकारात्मक ऊर्जा को बचाइये।** नजरों को झुकाकर एक बेहुदे उपकरण में गड़ाने की बजाए नजर उठाकर देखिए जीवन के कितने खूबसूरत नजारे सृष्टि ने हमें उपहार में दिए हैं। बनावटी तस्वीरें लेकर हमारा तन खूबसूरत दिख सकता है मगर मन की सुन्दरता तभी निखरेगी जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कुराहट खिला पाएंगे। इसलिए पक्षियों की तरह खुलकर चहकिए, फूलों की तरह महकिए, सदैव दूसरों का भला कीजिए, ईश्वर का सदा स्मरण कीजिए, कभी किसी को अपशब्द कहकर दु:ख मत दीजिए तथा जितनी भी संभव हो सके दूसरों की यथाशक्ति मदद कीजिए।

- उर्वशी बालोदिया

मारू कुमावत समाज का 26वाँ नि:शुल्क सामूहिक विवाह आयोजन निरस्त

कोरोना के वजह से सामूहिक विवाह आयोजनों की परमिशन नहीं मिलने के कारण तीन परगना मारू समाज ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इन वर्ष अक्षय तृतीया पर होने वाला 26 वां निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन निरस्त कर दिया गया है।

पुनः पैर पसारता कॉरोना

कोरोना संकट एक बार फिर हमारे सामने मुंह बाये खड़ा हो गया है, हालांकि हमने कई अपनों को इस महामारी में खोया है और सबक भी लिया है किन्तु समय के साथ हमने अपनी हिफाजत में शिथिलता बरतनी शुरु कर दी है और इसे पैर पसारने का पूरा मौका दे दिया है। जहां से इसकी उत्पत्ति हुई वहां तो सब ठीक-ठाक है लेकिन जिन देशों में सरकारी तंत्र ,जनतंत्र को लेकर लापरवाह है वहां काफ़ी कुछ भगवान् भरोसे ही चलता है। हालांकि सरकारी गाइड़ लाइन समय समय पर जारी कर दी जाती है और हमें उसका पालन भी करना चाहिए, फिर भी हमें स्वयं ओर अपनों को इस वायरस से अत्यंत सावचैत रहने की जरूरत है। यूं तो इसके खिलाफ टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है लेकिन इसमें वक्त लगेगा। अतः अपनी सुरक्षा हेतु मास्क, बार-बार हाथ धोना व सोशियल दूरी बनाए रखने का प्रयास करें। शादी-समारोह में भी ज़्यादा लोगों को आमंत्रित करने से बचें क्योंकि ऐसे समारोह में इसके फैलने का डर ज़्यादा रहता है। **'सावधानी हटी दुर्घटना घटी'** मंत्र ध्यान रखना व पालन करना जरूरी है। ताकि खुद को व अपनों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े और सबकी जिंदगी सुरक्षित रह सके। कारोना को लेकर काफी अफवाहें भी फैलती रहती हैं जिनका कोई आधार नहीं होता। अतः इन अफवाहों का हिस्सा बनने से बचें। इस लेख को लिखते समय तक कोरोनाक ी दूसरी वेव ने महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, राजस्थान आदि प्रदेशों में भयावह स्थति कर दी है। अनेक शहरों में कोरोना संक्रमितों से अस्पताला अटे पड़े हैं। रात्री कर्फ्यू, लॉकडाउन, वीकएण्ड कफ्यू लगाना पड़ा है। कृपया खुद भी सुरक्षित रहें, ओरों को भी सुरक्षित रखने में मदद करें, इसी भावना के साथ।

-भारती तोंदवाल

कुमावत इंडिया पत्रिका में प्रकाशित अपील का असर
मनोहर कुमावत (निरानिया) अब लड़ सकेंगे चुनाव

कुमावत इंडिया पत्रिका के मार्च, 2021 के अंक में प्रकाशित किया गया था कि श्री मनोहर कुमावत का नाम झोटवाड़ा क्षेत्र से हटा कर सांगानेर क्षेत्र में डाल दिये जाने से वे महासभा के चुनाव झोटवाड़ा क्षेत्र से नहीं लड़ पा रहे थे।

पत्रिका को प्रथम दृष्टया यह अनुचित लगा तथा चुनाव अधिकारियों व मुख्य समन्वयक श्री जी एस टांक से अपील की थी कि मामले को देखकर इसका समाधान करना चाहिए। जिससे समाज में अच्छा संदेश जाए व पीड़ित व्यक्ति भी संतुष्ट हो एवं चुनाव से जुड़े अधिकारियों पर भी विश्वास बढ़े। **कुमावत इंडिया** पत्रिका की अपील पर अब श्री मनोहर कुमावत को झोटवाड़ा से चुनाव लड़ने की इजाजत मिल गई है तथा मामले का समाधान हो गया है। आगे चुनाव संबंधी सभी प्रकार की समस्या के निदान के लिए एक संवैधानिक संस्था स्थाई रूप से गठित करने पर भी विचार किया जाए।

बाबूलाल मारोठिया को.... **पृष्ठ 5 से आगे ...**

मौलिक कल्पनाशीलता और रचनात्मकता ही श्री बाबूलाल मारोठिया की विशेषता है। दसवीं उत्तीर्ण करने के बाद आपने पेंटिंग के प्रति ही स्वयं को समर्पित कर दिया। मारोठिया ने मिनिएचर पेंटिंग की सभी विधाओं पर काम करना किया। खासकर जोधपुर, कोटा, बूंदी और जयपुर शैली। ये कांगड़ा, बसोली, मालवा व अन्य भारतीय चित्र शैलियों में लघु चित्र बनाने के लिए विख्यात है।

1997 में उन्हें उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे-2017, और राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत-2011, सरीखे व्यक्तित्वों ने भी उनकी उपलब्धियों की प्रशंसा की। आपको इंटरनेशनल क्राफ्ट अवॉर्ड्स की ओर से 'राणा भाई रबारी - मास्टर क्राफ्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड'-2018, से भी नवाजा गया। श्री मारोटिया ने अमेरिका, ग्रीस, सिंगापुर, वेनेजुएला, जर्मनी, मलेशिया, फ्रांस, ईटली इत्यादि देशों में अपनी कला का प्रदर्शन कर कुमावत समाज एवं भारत का नाम रोशन किया है। आपकी उपलब्धियों को पहले **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के प्रथम अंक अगस्त, 2017 तथा पुनः अप्रेल, 2018 के अंक में प्रकाशित किया जा चुका है। बाबू लाल मारोठिया को 'राजस्थान हस्तशिल्प रत्न अवार्ड' से सम्मानित किये जाने पर समाज एवं कला जगत में हर्ष की लहर दौड़ गयी। इन्हें यह सम्मान दिये जाने से कुमावत समाज गौरान्वित हुआ है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से इस बेहतरीन आर्टिस्ट को बहुत बहुत बधाई।

श्री बाबूलाल मारोठिया के भ्राता श्री बद्रीलाल मारोठिया को वर्ष 2001 में तथा दूसरे भ्राता श्री हरीनारायण मारोठिया को वर्ष 1998 में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

इन्हें अवार्ड दिए जाने की घोषणा होने पर प्रतिष्ठित कलाकारों, गणमान्य लोगों, सामाजिक संस्थानों ने बधाइयां दी है। चेतन धुंधारिया टीम ने इनके निवास पर पहुंच कर इनका माल्यार्पण कर व मिठाई खिला कर सम्मान किया।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौंरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत, बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

17 मार्च श्रीमती बसंती देवी पत्नी स्व. श्री लीलाधरमोरवाल, उदयपुर
18 मार्च श्री मोहन लाल जी बातरा, देवाली, उदयपुर
20 मार्च श्रीमती धापूदेवी धर्मपत्नी स्व. श्री मूलचंद जी कारगवाल, सोडाला, जयपुर
24 मार्च श्री महेन्द्र कुमावत, इन्दौर
25 मार्च श्रीमती भोंरी देवी धर्मपत्नी श्री भंवरलाल बिरथला, दिलली बाईपास, जयपुर
25 मार्च श्री रामस्वरूप जी पुत्र स्व. श्री गोविन्द राम जी दम्बीवाल, चौमूं, जयपुर
25 मार्च श्रीमती अर्चना कुमावत धर्मपत्नी डॉ. राजेन्द्र घोड़ेला, कालवाड़ रोड, जयपुर
25 मार्च श्रीमती रम्भाबाई पत्नी स्व. श्री अंबालाल गोठवाल, पुला, उदयपुर
26 मार्च श्रीमती मन्नी देवी पत्नी स्व. श्री रामप्रसाद जी आसीवाल, जयपुर
26 मार्च श्री घनश्याम जी मीणा कॉलोनी, ईमलीवाला फाटक, जयपुर
27 मार्च श्री भंवरलाल जी सारड़ीवाल, शांती विहार कॉलोनी, इंदौर (म.प्र.)
29 मार्च श्रीमती लक्ष्मी कुमावत धर्मपत्नी श्री कन्हैयालाल गैदर, बिनोबा बस्ती, जयपुर
29 मार्च श्री भंवरलाल सारड़ीवाल, इन्दौर
29 मार्च श्री किशन लाल बातरा, उदयपुर
30 मार्च श्री तीर्थराज जी बालोदिया, जनता नगर, खादी कॉलोनी, सोडाला, जयपुर
1 अप्रेल श्रीमती लीला देवी मानणिया पत्नी स्व. श्री दुर्गाशंकर, देवाली, उदयपुर

1 अप्रेल श्री रामअवतार वर्मा बबेरीाल ढाणी कुमावतान, सांगानेर, जयपुर
1 अप्रेल श्री अनिल कुमार जालवाल, पुत्र स्व. श्री भगवानेन्द्र जी जालवाल, डूंडलोद
2 अप्रेल श्री भगवान सहाय जी आसीवाल, थली कुमावतों की ढाणी, जयपुर
3 अप्रेल श्री रामचंद्र झालवार, उदयपुर
4 अप्रेल श्री किशन लाल चौरमा, राजसमंद
5 अप्रेल श्री मदनलाल जी वर्मा (भौरोदिया), नटराज कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर
5 अप्रेल श्री भागीरथ सिंह जी किरोकड़ीवाल, धोली मंडी, चौमूं, जयपुर
6 अप्रेल श्रीमती चौथी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नानगराम जी खोराणिया, आमेर, जयपुर
6 अप्रेल श्री नवल किशोर जी निमीवाल पुत्र स्व. श्री मोहन लाल जी, जयपुर
6 अप्रेल श्री नोपाराम जी लाडण्वा, शिवबाग कॉलोनी, इन्दौर (म.प्र.)
7 अप्रेल श्री भंवरलाल पुत्र स्व. श्री हीरालाल जी बड़ीवाल, बिहारी पोल, अजमेर
10 अप्रेल श्री भगीरथ जी सिरोठा, केशरीपुरा, सांवेर, इन्दौर (म.प्र.)
12 अप्रेल श्री सीताराम ब्याड़वाल एडवोकेट सोडाला, जयपुर
12 अप्रेल श्रीमती मोहिनी देवी पत्नी स्व. श्री रामेश्वरजी रोजड़ी, फुलेरा, जयपुर
13 अप्रेल श्री जिवराम जी बबेरीवाल, पाचौरा, जलगांव
13 अप्रेल श्री मांगीलाल जी दादरवाल एनएमई ग्रुप, कुचामन सिटी, नागौर
16 अप्रेल श्री नेमीचंद कुमावत (अजमेरा) जगदम्बा सर्किल, धाबास
17 अप्रेल श्री बजरंगलाल बेड़वाल, इंदौर
18 अप्रेल श्रीमती विमला देवी पत्नी स्व.नन्द किशोर, इंदौर

[redacted]

[redacted]

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर		
राजेश	B.A.	-	1.7.97	6'0''	इटाडा	मंडावरा	लाज़्बा	बारावाल	8529392805	अजमेर
भावेश	B.A.,IIT	-	22.2.98	5'5''	पडियार	सरवा	लड़बा	खनारिया	9887594480	चिज़ौड़
मोहित	Iyear	ट्रांसपोर्ट लाईन	23.8.98	5'7''	सिंधू	भंमोरिया	खनाड़िया	बंशीवार	7568618064	निज़्बाहेड़ा
मनीष	सीनियर	प्राइवेट	31.10.86	5'5''	नोखवाल	सिरस्वा	खारोलिया	नीमीवाल	9571837128	चूरू
हेमन्त	B.A.,	Yoga Teacher	10.11.97	5'6''	हिरोलिया	सिन्दड	नागौरा	लटीवाल	6375407060	दिल्ल्ली
प्रीतीश	B.Tech.,	Self Employed	8.3.96	5'11''	धमुनिया	माचीवाल	फूफवाल	सिंघटिया	9460662001	अजमेर
शुभम	B.A.,	Job in Export	18.6.95	5'7''	बिरथला	घटेलवाल	आसीवाल	मारवाल	9319345190	दिल्ली
भंवरलाल	B.Tech(IT),	लिमिटेड कज़्पनी	11.7.94	5'8''	बासनीवाल	किरोड़ीवाल	जायलवाल	कारगवाल	9314870337	जयपुर
गजेन्द्र	M.Com.,	स्वयं का व्यवसाय	6.2.89	5'6''	अनावडिया	सांखला	अडानिया	देवतवाल	9460814992	जोधपुर
पीयूष	B.Com.,	मैनेजर होटल	28.10.97	5'6''	आसीवाल	खण्डारिया	मारवाल	कैकटिया	7976211891	जयपुर
राकेश	10th.,	डायमण्डल स्टोन वर्क	6.3.92	5'7''	सिरोहिया	भन्दोरिया	धमुनिया	लोडवाल	9649077921	जयपुर
मनीष	B.A.,	इलैज़्ट्रोनिज़्स	3.11.92	5'6''	गुरिया	कुज़्डवाल	खोवाल	किरोड़ीवाल	9252615519	अजमेर
नितिन	B.Ac.,	स्वयं का व्यवसाय	18.6.97	5'6''	डूंगरवाल	धनेरिया	बरोदिया	मोरवाल	9413045037	प्रतापगढ़
अनिरुद्ध	B.Tech.,	-	13.11.96	5'8''	मारोठिया	सिरोहिया	कुण्डलवाल	लाज़्बा	9828103125	

[redacted]

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
				स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर		
प्रियंका	M.A.	-	01.7.96	5'4''	इटाडा	मंडावरा	लाज़्बा	बारावाल	7339758327	अजमेर
हर्षिता	B.Com. (Hons)	-	18.6.97	5'4''	माल	गड़वाल	बगडी	डूंगरवाल	9826340943	उज्जैन
पूजा	MA, NET	Asst proff.	12.1.88	5'2''	अनावडिया	सांखला	अडानिया	देवतवाल	9460814992	जोधपुर
श्रुति	B.Sc.IIIyear		30.7.2000	5'6''	पारमवाल	कारगवाल	कुज़्डवाल	बड़ीवाल	9413856718	आबूरोड
ज़्याति	B. Tech		10.2.94	5'5''	घोड़ेला	बोडा	जालवाल	मारोठिया	9672750188	जोधपुर
कोमल	B.Sc.,	-	9.1.97	5'6''	मारवाल	खोरानिया	बबेरवाल	जलान्दरा	9414455586	सांभरलेक
पूजा	M.A. Textile Deploma	OA in Hospital	26.10.89	5'1''	मनेठिया	कुण्डलवाल	कुद्दीवाल	देवतवाल	9057550140	जयपुर
जीतू	12th	-	6.8.95	5'3''	अनावड़िया	मारवाल	जलान्धरा	दुबल्दिया	9636069914	अजमेर
विनीता	MCA	-	30.1.96	5'5''	तूंदवाल	घोड़ेला	बबेरीवाल	बींवाल	9460090993	अजमेर
हर्षा	M.Com.,B.LIB	-	4.12.93	5'4''	जलान्दरा	बधानिया	मारोठिया	जालवाल	9460182955	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

[redacted]

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

[redacted]

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

[redacted]

[redacted]

तीन वर्षीय सदस्य मार्च 2021 तक क्र.सं. 1 से 306 तक की सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें। सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-विशाल कम्प्यूटर महेश नगर फाटक, मो. 9664386269

ब्यावर-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493

दिल्ली-श्रीराधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580

फुलेरा-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास

नोट : अन्य समाज बन्धु स्वेच्छा से यह सेवा देना चाहें तो कार्यालय से सम्पर्क करें।

वाट्सएप ग्रुप द्वारा अनूठी शुरुआत : समाज सेवा और सामाजिक सरोकार का पयार्य बना 'अपना समाज'

कुचामन-नावां सोशल मीडिया ग्रुप द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबानपक्षियों के लिए 'पंछी बचाओ-परिंडा लगाओ' सेल्फी विद परिंडा अभियान द्वारा बेजुबान पक्षियों के लिए जगह-जगह दाना-पानी का इंतजाम किया गया।

प्रात: से ही युवा, बच्चे, बुजुर्ग व महिलाओं ने उत्साहपूर्वक परिंडे लगाना व दाना-पानी डालना प्रारम्भ कर दिया। कहीं मिट्टी के तैयार परिंडे तो कहीं घर मे पड़ी बेकार मटकियों को काटकर मुँह वाले हिस्से को उल्टा रखकर स्टेंड बनाकर परिंडे तैयर कर लगाए गए। ग्रुप सदस्यों ने देखभला के संकल्प के साथ एक दिन में विभिन्न जगह पर 500 से अधिक परिंडे लगाए। ग्रुप सदस्यों का मानना है बेजुबान पक्षियों की सेवा करना एक पुनीत कार्य है।

जैसे इंसान को भोजन की आवश्यकता होती है वैसे ही बेजुबान पक्षियों को भी दाना-पानी की आवश्यकता होती है। सदस्यों ने कहा कि इसे अपना दायित्व समझें और भावी पीढ़ी को भी ये संस्कार देवें। पक्षी पर्यावरण का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं तथा ये मानव जीवन का अभिन्न अंग हैं।

ग्रुप एडमिन रतनलाल कुमावत, महेश कुमावत व रमेश कुमार पीपलोदा ने जीवनदया का महत्व बताते हुए कहा कि अगर इस जागरूकता अभियान से लोग प्रेरित होकर अपने आसपास अपनी छतों, भवन, मंदिर, पार्क और पेड़-पौधों, आदि स्थानों पर इस भीषण गर्मी में चार महीने के लिए बेजुबान पक्षियों के अगर व्यवस्था कर दें तो इससे बड़ा ओर कोई पुण्य का काम नहीं होगा और ऐसे पुनीत कार्यों में लोगों को आगे आना चाहिए। सामाजिक व धार्मिक कार्यों के साथ-साथ वर्तमान कोरोना के समय में यह ग्रुप जरूरतमंद लोगों व पशु-पक्षियों की मदद के लिए हमेशा तैयार है।

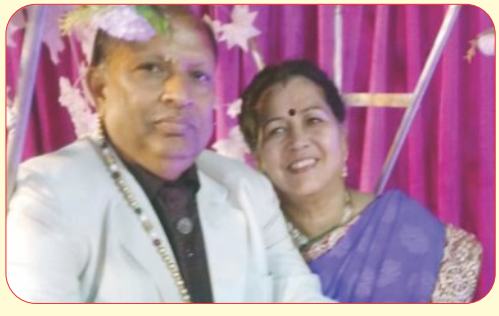

श्रीमती अमिता व श्री रमेश कुमावत (गैदर)
अध्यक्ष, कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका
को शादी की 38वीं वर्षगांठ की

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु :

खेमचन्द खड़गटा
व्यवस्थापक मंडल सदस्य
कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका
मो. 9829140629, 6378593224

विज्ञापन

खेमचन्द खड़गटा
को
कुमावत इंडिया मासिक पत्रिका में
व्यवस्थापक मंडल सदस्य
मनोनीत किये जाने पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

जयसिंह गुडीवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, जयपुर
व प्रवक्ता टीम चेतन धुंधारिया
मो. 9461343432

विज्ञापन

सुनील कुमावत का नेशनल लेवल पर हुआ चयन

जोबनेर पंचायत समिति के गोकुलपुरा गांव निवासी सुनील कुमावत पुत्र गंगा राम कुमावत का द नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया में में नेशनल लेवल पर चयन हुआ है। सुनील कुमावत का नेशनल स्तर पर चयन होने पर होने ग्रामवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई और समस्त गांव वाले सुनील की इस उपलब्धि पर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

टीम चेतन धुंधारिया ने मनाया...

पृष्ठ 17 से आगे...

इस अवसर पर टीम के संस्थापक चेतन धुंधारिया ने प्रबुद्धजनों व समाजबंधुओं को धन्यवाद दिया और कहा कि ''आप लोगों का आशीर्वाद, प्यार, स्नेह और सम्मान जो टीम को प्राप्त हुआ है, उनका मैं तहेदिल से आभार प्रकट करता हूँ।'' यह भी कहा कि टीम आपके मार्गदर्शन व सुझावानुसार दिन प्रतिदिन बेहतर सेवायें देती रहेगी। कृपया टीम के कार्यों की समीक्षा करते रहें तथा मार्गदर्शन प्रदान करते रहें। टीम द्वारा समाजसेवा और सामाजिक कर्त्तव्यों का जो बीड़ा उठाया है उसे निरन्तर एवं निष्पक्ष रूप से निष्पादित करती रहे। अपील की कि **कोरोना की जंग अभी अधूरी है यह फिर से फैलता नजर आ रहा है।** किसी भी तरह से डरे नहीं ना ही किसी को डरायें, हिम्मत बनाये रखें, सिर्फ सतर्क रहें। प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाईन की पालना करें और **सबसे ज्यादा जरूरी है मास्क का प्रयोग, सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करें व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें।**

– **जयसिंह गुडीवाल,** प्रवक्ता मो. 9461343432

अखंड कुमावत क्षत्राणी समूह का फागोत्सव

अखंड कुमावत क्षत्राणी समूह की बहनों ने 25 मार्च, 2021 को फाग उत्सव सोडाला, जयपुर में बड़े धूम-धाम से मनाया इसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर समाज के वृद्ध जनों के सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत स्वर्गीय श्री राम प्रकाश जी बालोदिया की पत्नी श्रीमती पूनम देवी का सम्मान किया गया।

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA
नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

टीम चेतन धुंधारिया

चेतन धुंधारिया

प्रथम स्थापना दिवस

13 अप्रैल 2021 पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु : ''कुमावत इण्डिया'' मासिक पत्रिका, जयपुर
कुमावत प्रगति ट्रस्ट, जयपुर

श्रद्धांजलि

छठीं पुण्यतिथि 13.04.2021

स्व. श्रीमती परवेश कुमावत (गैदर)

धर्मपत्नी श्री कृष्ण गोपाल कुमावत (के.जी. रेडियो)

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

स्व. 13.04.2015

आपका स्नेह, ईश्वर भक्ति, सद्व्यवहार, सेवाभावना एवं प्रेरणादायक जीवन सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रृद्धान्वतः

पुत्र-पुत्रवधु : राजसिंह - संतोष, हेमेन्द्र सिंह-दीपाली

पुत्री-दामाद : उषा -सतीश भेड़ीवाल, शालिनी-नेमीचन्द मारोठिया

पौत्र : उत्कर्ष, हर्षवर्धन, हार्दिक

पौत्री : फणिन्द्रा, रूपल एवं समस्त गैदर परिवार

बी-14, मधुबन कॉलोनी, किसान मार्ग, टोंक रोड, जयपुर मो. 9468900276

सूचना

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के ट्रस्टियों, व्यवस्थापक मण्डल तथा सम्पादक मण्डल के सदस्यों की बैठक 27 मार्च, 2021 को हुई जिसमें श्री सुरेन्द्र कुमार नागा का मुख्य संरक्षक के रूप में कार्यकाल 31 दिसमबर, 2021 तक बढ़ाने तथा श्री खेमचन्द खड़गटा को व्यवस्थापक मण्डल के सदस्य के रूप में लेने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त आत्मकथा 'हेमचन्द कल से आज' में समाज के वरिष्ठ एवं सम्मानित सदस्यों, दिवंगत समाजजनों एवं समाज की संस्थाओं के बारे में की गयी टिप्पणियों पर विचार-विमर्श हुआ। सभी ने इन टिप्पणियों से असहमति व्यक्त की तथा माना कि इस आत्मकथा में अंकित विचार श्री हेमचन्द खड़गटा के व्यक्तिगत विचार हैं तथा 'कुमावत प्रगति ट्रस्ट' से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है।

-सम्पादक

स्व. 12.04.1979

पुण्यतिथि

स्व. 27.10.2012

पुण्यतिथि

स्व. श्री भौंरीलाल घोड़ेला स्व. श्रीमती फूला देवी

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वतः

पुत्र-पुत्रवधु : डॉ. नेमीचन्द -रूकमणी, स्व. दीपक-मीना

प्रभुनारायण-दीफूला, प्रेमनारायण-इन्दिरा, गणेश-संजू,

पौत्र-पौत्रवधु: मोहनलाल-सुनीता, नवीन-लक्ष्मी, पवन-मधु

नीरज-गुडिया, पौत्र-पौत्री: कमल, सुनील, कुणाल, यश,

साहिल, कर्ण,वर्षा प्रपौत्र-प्रपौत्री: रोहित, टीना, सचिन, नन्दू

रीतिका, चक्षु

म.न. 420, बेलदारों की गली, आमेर रोड, जयपुर मो.9414358977, 9314828274

स्व. 7.10.1993

स्व. 9.4.1999

स्व. श्री भौंरीलाल धुंधारिया स्व. श्रीमती भंवरी देवी

28वीं पुण्यतिथि 7.10.2021 22वीं पुण्यतिथि 9.4.2021

श्रद्धावन्त :

पुत्र-पुत्रवधु : लालचंद-विमला, सुरेश-अनिता,

पुत्री-दामाद : डॉ. नेमीचन्द घोड़ेला-रूकमणी, मोहनलाल रेणीवाल-शान्ती,

प्रेमनारायण घोड़ेला-इन्दिरा, पौत्र-पौत्रवधु : आदित्य-नेहा, राहुल, नीरज,

दोहित्र-दोहित्र वधु : मोहनलाल घोड़ेला-सुनीता, नवीन घोड़ेला-लक्ष्मी,

कृष्ण गोपाल रेणीवाल-श्रुती, कमल किशोर रेणीवाल-पिंकी, रवि रेणीवाल-रजनी

पवन घोड़ेला-मधु, दोहिती-दामाद : चन्द्रकान्ता- नरेन्द्र आसीवाल

बी-137 -बी, आनंदपुरी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर मो. 9413335998

27 शिव विहार, पांच्यावाला, महाराण प्रताप रोड, जयपुर मो. 7219924079

स्व. 17.04.1993

स्व. श्री सोभागमल जी खड़गटा

(फाउण्डर मिस्त्री राजस्थान विश्वविद्यालय)

की

17 अप्रेल 2021 28वीं पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती मधु कुमावत

(धर्मपत्नी सतीश खड़गटा)

द्वितीय पुण्यतिथि

22 अप्रेल , 2021

पर हम सब परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धावन्त :

हेमचन्द-पुष्पा, सतीश, योगेन्द्र-रेनू, स्व. कल्पना-नानगराम धुंधारिया, सुलोचना-कस्तूरमल धुंधारिया

पौत्र-पौत्रवधु : मनीष-संगीता, शैलेन्द्र-पूनम, हिमांक-निकिता, साहित खड़गटा

बेटी, पौत्री-जवाई : रेखा-विक्रमसिंह बैथाड़िया, राखी-सूरज नरानिया, रुचि-कमलेश भौरोंदिया, अंकिता-बिजेन्द्र मामोडिया, तानिया-अंकुर देवतवाल

वरुण सिंह, दिविता सिंह बैथाड़िया, तरुण, हर्षवर्धन खड़गटा

क्रिश नरानिया, यश भौरोंदिया, हेविशा मामोडिया, हियान देवतवाल एवं खड़गटा परिवार

खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

सौजन्य : कुमावत (खड़गआ-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट, जयपुर

चि. मिथलेश वर्मा

(सुपुत्र श्री चन्द्रप्रकाश खड़गटा)

को

JOHNSON CONTROLS HITACHI AIRCONDITONING

जनरल मैनेजर पद पर

पदोन्नत होने पर

हेमचन्द कल से आज

प्रकाशन

21.2.2021

खड़गटा-धुंधारिया ट्रस्ट के फाउण्डर अध्यक्ष

हेमचन्द खड़गटा

एवं

पुष्पा भौरोंदिया

की

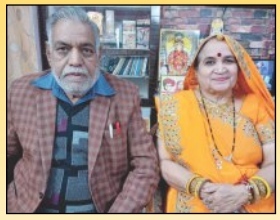

विवाह की 52वीं वर्षगांठ

21 अप्रेल, 2021 पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

सतीश, योगेन्द्र-रेनू, स्व. कल्पना-नानगराम धुंधारिया, सुलोचना-कस्तूरमल धुंधारिया

पौत्र-पौत्रवधु : मनीष-संगीता, शैलेन्द्र-पूनम, हिमांक-निकिता, साहित खड़गटा

बेटी, पौत्री-जवाई : रेखा-विक्रमसिंह बैथाड़िया, राखी-सूरज नरानिया, रुचि-कमलेश भौरोंदिया

अंकिता-बिजेन्द्र मामोडिया, तानिया-अंकुर देवतवाल

वरुण सिंह, दिविता सिंह बैथाड़िया, तरुण, हर्षवर्धन खड़गटा

क्रिशा नरानिया, यश भौरोंदिया, हेविशा मामोडिया, हियान देवतवाल एवं खड़गटा परिवार

खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

सौजन्य : कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट, जयपुर

श्रीमती अमिता

एवं

रमेश कुमावत (गैदर)

के विवाह की 38वीं वर्षगांठ

रामनवमी

21 अप्रेल, 2021

पर **हार्दिक बधाई !**

शुभेच्छु

फूला देवी-रामदयाल गैदर (माता-पिता)

नमिता-दिनेश एवं अंजना-सतीश (भ्राता वधू-भ्राता)

शोभिका-मनीष खंडारिया (पुत्री-दामाद)

मेघावी-पारितोष (पुत्रवधू-पुत्र)

षष्टि (मीठी) व पिनाक (दोहित्र) एवं समस्त गैदर परिवार

26, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर | E 45AB, गार्डन स्ट्रीट, 3rdएवेन्यु, लालबहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर
के अध्यक्ष

रमेश कुमावत (गैदर) एवं श्रीमती अमिता

के विवाह की 38वीं वर्षगांठ

रामनवमी 21 अप्रेल, 2021

पर **हार्दिक बधाई !**

शुभेच्छु

उपाध्यक्ष: ओमप्रकाश कुलचानिया

उपाध्यक्ष: भारती तोंदवाल

मंत्री : गौरव अजमेरा

कोषाध्यक्ष : सुरेन्द्र घोड़ीवाल

संगठन मंत्री: अजय अनावड़िया

उपमंत्री: पूनम कुमावत

उपमंत्री: सिद्धार्थ घोड़ीवाल

उपकोषाध्यक्ष:अनिल वर्मा

सदस्य:हरदेव कुमावत

सदस्या:कमलेश मारोठिया

सदस्या:रीना अजमेरा

उपमंत्री:आशुतोष कोलुगरिया

विज्ञापन

सौजन्य

रमेश वर्मा (तोंदवाल) 60, जय जवान कॉलोनी-II, टोंक रोड, जयपुर-302018
भारती तोंदवाल, महिला उपाध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति मालवीय नगर, जयपुर

श्रीमती सोनिया (सोना)

एवं

चैनसुख बड़ीवाल (रोहित)

(आयकर एवं जीएसटी कन्सलटेन्ट)

के विवाह की 15वीं वर्षगांठ

20 अप्रेल, 2021

पर **हार्दिक बधाई !**

शुभेच्छु

श्रीमती कृष्णा-सी.एम. कुमावत (ताईजी-ताऊजी)
श्रीमती लाली देवी-प्रेमचंद बड़ीवाल (माता-पिता)
श्रीमती भंवरी देवी-स्व. श्री भंवरलाल जी मारोठिया- (सास-ससुर)
श्रीमती दीपिका-कैलाश बड़ीवाल, श्रीमती अन्नू-नितेश बड़ीवाल (भ्राता वधू-भ्राता)
किशन लाल, ओम प्रकाश, अशोक मारोठिया (भ्राता सोनिया)
रोहन, हर्ष, गवीन, हर्षिता, नव्या (पुत्र-पुत्री)

ग्लोबल टैक्स एसोसिएट्स, दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड, दहमीकलां बालाजी, बगरू, जयपुर मो. 9929012957, 9782292982

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-ब., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018